जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:162 दिनांक:15-10-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

निज्जर हत्याकांड के संदर्भ में भारत व कनाडा के बीच चल रहा कूटनीतिक विवाद काफी गंभीर रुख अख्तियार कर चुका है। सोमवार को नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायुक्त को समन कर विदेश मंत्रालय बुलाया गया और उन्हें इस बात पर फटकार लगाई गई

दिल्लीवासियों को खराब वायु गुणवत्ता का सामना करना पड़ा तथा सोमवार को प्रदूषण का स्तर 234 तक पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दशहरा के बाद दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 224 पर पहुंच गया है।

भारत कनाडा से वापस बुलाएगा उच्चायुक्त

छह कनाडाई राजनयिक किए निष्कासित, 19 अक्तूबर तक छोड़ना होगा देश

नई दिल्ली : कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो लगातार भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले पर आरोप लगा रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने का आरोप लगाया था। अब इस मामले में भारत ने सख्त कदम उठाया है। कनाडा के भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़े जाने पर भारत ने सख्त रुख अपनाया है। भारत कनाडा में मौजूद अपने उच्चायुक्त, लक्षित अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुला रहा है। यह फैसला कनाडा के बेतुके और हास्यास्पद नए आरोपों के बाद किया गया है। इस बीच, भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

इससे पहले भारत ने कनाडा के उप उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर को तलब कर कड़ी नाराजगी दर्ज कराई और दोटूक कहा कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को बेबुनियाद निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हमें कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर मौजूदा ट्रूडो सरकार की प्रतिबद्धता पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। साथ ही चेताया था कि भारतीय राजनयिकों के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने की कनाडा सरकार की नई कोशिशों के जवाब में अब भारत के पास आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपने राजनीतिक फायदे के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। भारत और कनाडा के बीच निज्जर की हत्या से उत्पन्न तनाव की स्थिति और बदतर हो गई है।

इस बीच, भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इन राजनयिकों में कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, प्रथम सचिव मैरी कैथरीन जोली, प्रथम सचिव लैन रॉस डेविड ट्राइट्स, प्रथम सचिव एडम जेम्स चुइपका, प्रथम सचिव पॉला ओरजुएला शामिल हैं। इन्हें शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024 को रात 11:59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ना होगा।

मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के पीएम ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, लेकिन हमारे कई अनुरोधों के बावजूद कनाडा सरकार ने भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया। कनाडा का यह नया कदम उन बातचीत के बाद उठाया गया है जिनमें एक बार फिर बिना किसी तथ्य के दावे किए गए। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उसकी जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए भारत पर कीचड़ उछालने की एक सोची समझी रणनीति है। भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाला यह नवीनतम घटनाक्रम अब उसी दिशा में अगला कदम है।

विदेश मंत्रालय से निकलने के बाद कनाडा के उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर ने कहा कि कनाडा ने भारत सरकार के एजेंटों और कनाडा में एक कनाडाई नागरिक की हत्या के बीच संबंधों को लेकर विश्वसनीय सबूत उपलब्ध कराए हैं। अब भारत के लिए समय आ गया है कि वह जो कहता है उस पर खरा उतरे और सभी आरोपों पर गौर करे। इसकी तह तक जाना दोनों देशों और उनके लोगों के हित में है। कनाडा भारत के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि भारत को रविवार को कनाडा ने राजनयिक माध्यम से जानकारी दी कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उनके देश में एक जांच से संबंधित मामले में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' हैं। पर्सन ऑफ इंटरेस्ट का मतलब यह है कि किसी एक व्यक्ति के बारे में पुलिस को लगता है कि वह किसी अपराध में शामिल हो सकता है लेकिन उस औपचारिक आरोप नहीं लगाए सकते और न गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। हालांकि उसकी गतिविधियों, संपर्कों और अन्य जानकारी को जांच के दायरे में रखा जाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को पूरी दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें जस्टिन ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा मानती है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।

भारत-कनाडा के मौजूदा रिश्तों को लेकर सभी दलों को भरोसे में लें प्रधानमंत्री: जयराम रमेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। कनाडा के साथ भारत के मौजूदा संबंधों को लेकर चल रही तनातनी पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लें। जयराम रमेश का कहना है कि मौजूदा भारत-कनाडा संबंधों के संदर्भ में जो स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि सरकार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाए और सभी दलों को भरोसे में लेकर आगे बढ़े।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आई है, खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी मुद्दे पर की गई टिप्पणियों के बाद। भारत ने कनाडा के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों में सख्ती दिखाई है, और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और राजनीतिक स्तर पर तनाव बढ़ा है।

जयराम रमेश का यह भी मानना है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्षी दलों को भी शामिल करना और उन्हें जानकारी देना लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है, ताकि देश की एकजुटता और सामूहिक दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिख सके।

बहराइच कांड: दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा.. बवाल फिर बेकाबू हुए हालात

नोएडा : बहराइच में रविवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा के दौरान हुई पत्थरबाजी और गोलीबारी में युवक रामगोपाल मिश्रा की मौत के बाद जारी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार की सुबह आक्रोशित भीड़ ने हरदी, साधुवापुर, भगवानपुर और राजी चौराहे पर आगजनी की। वहीं, एक धार्मिक स्थल भी ध्वस्त कर दिया। तोड़फोड़ व आगजनी की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश को बहराइच के लिए रवाना किया। बहराइच पहुंचने के बाद तत्काल अमिताभ यश प्रभावित क्षेत्र पहुंचे। प्रशासन के अनुसार अब तक 30 उपद्रवी हिरासत में लिए जा चुके हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ने कहा कि शासन की चूक की वजह से ये घटना हुई। उधर, मृतक युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों ने प्रशासन से दोषियों का उनके सामने एनकाउंटर करने की मांग की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महसी तहसील की प्रतिमा शांति पूर्वक विसर्जन के लिए जा रही थी। महराजगंज कस्बे में पहुंचने पर दूसरे समुदाय के लोगों ने गाली गलौज शुरू कर दी। प्रतिमा के साथ चल रहे लोगों ने जब इसका विरोध किया तो छतों से पथराव शुरू कर दिया गया। इसके बाद विसर्जन रोक समिति सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान लोगों भीड़ मौके पर पहुंची और उपद्रव शुरू कर दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि भगदड़ के दौरान दूसरे समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24) को घसीट कर घर में ले गए। वहां उसकी बर्बरता के साथ पिटाई करते हुए पैर के नाखून उखाड़ लिए और उसे गोलियां मार दीं। गंभीर रूप से घायल राजन सहित 12 लोगों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

सोमवार सुबह आक्रोशित भीड़ ने हरदी चौराहे पर विभिन्न दुकानों के बाहर लगी होर्डिंग में आग लगा दी। वही, राजी चौराहे पर टायर में आग लगा दी जिसे दमकल वाहनों ने बुझाया। यही नहीं भीड़ ने सधुवापुर चौराहे और भगवानपुर चौराहे पर भी उपद्रव किया और धाबली व छप्पर आदि को आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद पहुंची पुलिस और पीएसी के जवानों ने मोर्चा संभाला और लाठी फटकार कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ा। पुलिस प्रशासन के काफी समझाने के बाद परिजन माने और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। एहतियात के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। इसके पहले, महसी और महराजगंज के पूरे क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं होती रहीं। पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधि परिवार के संपर्क में रहे और उन्हें शव के अंतिम संस्कार के लिए मना लिया। इस बीच प्रशासन ने पूरी सख्ती दिखाते हुए रोड को पूरी तरह से खाली कर दिया।

प्रदर्शन और आगजनी की घटनाएं चौराहों के साथ गांवों में भी फैल रही हैं। सूत्रों के अनुसार आक्रोशित भीड़ ने चंदपईया और कबडियनपुरवा गांव में भी तोड़फोड़ और आगजनी की। जिसके बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। विसर्जन जुलूस में मृत हुए रामगोपाल का शव गांव पहुंचने के बाद भीड़ उग्र हो गई। भीड़ ने जगह जगह तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। तोड़फोड़ व आगजनी की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश को बहराइच के लिए रवाना किया। बहराइच पहुंचने के बाद तत्काल अमिताभ यश प्रभावित क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान महसी के रमपुरवा चौकी पर आक्रोशित भीड़ ने एडीजी के सामने ही तोड़फोड़ शुरू कर दी।

जयपुर पुलिस का ऑपरेशन वज्र प्रहार.....24 घंटे में 1050 जगह दबिश, 811 बदमाश पकड़े

जयपुर (ईएमएस)। आसाराम बापू को जेल की सलाखों के पीछे भेजने वाले राजस्थान के सिंघम आईपीएस अजयपाल लांबा इन दिनों फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही मेंउन्होंनेजयपुर रेंज आईजी का कार्यग्रहण किया है।आईपीएस सिंह का नाम उन चुनिंदाअफसरोंमेंहैं जिनके नाम से अपराधी थर-थर कांपते हैं। उनका काम करने का तरीका ऐसा है कि अपराधी चाहे कितना ही शातिर हो लेकिनबच नहीं सकता। चार सालतकजयपुरपुलिसकमिश्नरेटमें एडिशनल कमिश्नर रहने के बाद लांबा डेढ साल तक उदयपुर रेंज आईजी रहे। सितंबर 2024में ही उन्हें जयपुर रेंज आईजी की जिम्मेदारी दी गई।

जयपुर रेंज में कुल 7 जिले आते हैं। इसमें जयपुर ग्रामीण, अलवर, दौसा, भिवाड़ी, खैरथल तिजारा, कोटपूतली बहरोड़ और दूदू शामिल हैं। जयपुर के आसपास के इस क्षेत्र को अपराध के लिहाज से बड़ा अहम माना जाता है। चूंकि इन क्षेत्रों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, यूपी सहित अन्य राज्यों के सक्रिय अपराधियों का मूवमेंट रहता है। इसके बाद अपराधों पर लगाम लगाने अनुभवी और दबंग अफसरों को लगाया जाता है। जयपुर रेंज आईजी पद पर कार्य ग्रहण करते ही आईपीएस लांबा ने सभी सातों जिलों के एसपी की बैठक ली।

रेवतीपुर बना एशिया का सबसे बड़ा मतदाता वाला गांव

गाजीपुर,(ईएमएस)। यूपी के गाजीपुर जनपद का रेवतीपुर गांव एशिया का सबसे ज्यादा मतदाता वाला गांव बन गया है। पंचायत चुनावों में गांव में मतदाता जागरूकता का प्रभाव देखने को मिला है, जिसके परिणामस्वरूप यहां के निवासियों ने अपने मतदान का उपयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रेवतीपुर में 2022 में 24,978 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि गाजीपुर के अन्य बड़े गांव गहमर में यह संख्या मात्र 24,232 है। यह संख्या रेवतीपुर को चुनावी प्रक्रिया में एक अहम स्थान पर लाती है। यहां मतदान के लिए 39 बूथ बनाए गए हैं, जो ग्रामीणों को अपनी आवाज उठाने का अवसर प्रदान करते हैं। गहमर गांव की जनसंख्या 1.27 लाख है और यह 22 टोले में बंटा हुआ है, लेकिन रेवतीपुर की जनसंख्या करीब 70 हजार है। गहमर की विशालता के बावजूद रेवतीपुर ने मतदाता जागरूकता की वजह से इस चुनावी मुकाबले में बढ़त बना ली है।

रेवतीपुर के निवासियों से बातचीत करने पर पता चला कि वे मतदान के प्रति अत्यधिक जागरूक हैं। पंचायत चुनावों के प्रचार-प्रसार ने उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। यहां के लोग अपने गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित महसूस करते हैं, जो चुनावी प्रक्रिया में उनके योगदान को और भी अहम बनाता है। रेवतीपुर का यह नया दर्जा न केवल चुनावी आंकड़ों के लिए अहम है, बल्कि यह गांव की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर को भी उजागर करता है। रेवतीपुर के लोग अपने मतदान अधिकारों का उपयोग करके न केवल अपनी पहचान को मजबूती दे रहे हैं, बल्कि वे अपने गांव के विकास में भी योगदान कर रहे हैं।

समलैंगिक संबंध को चुनौती देने वाली याचिका SC में खारिज

नई दिल्ली। बिना सहमति के जबरदस्ती बनाए गए समलैंगिक संबंध और अप्राकृतिक यौनाचार को अपराध मानने वाले आइपीसी की धारा-377 के प्रविधान नए अपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में नहीं शामिल किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला संसद के क्षेत्राधिकार में आता है। यह अदालत संसद को कानून बनाने या संविधान के अनुच्छेद-142 में मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके किसी चीज को अपराध घोषित करने का आदेश नहीं दे सकती। याचिकाकर्ता इस संबंध में सरकार को ज्ञापन दे सकता है।

बिना सहमति के जबरदस्ती बनाए गए समलैंगिक संबंध और अप्राकृतिक यौनाचार को अपराध मानने वाले आइपीसी की धारा-377 के प्रविधान नए अपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में नहीं शामिल किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।

जयशंकर होंगे एससीओ बैठक में शामिल, क्या कहता है पाकिस्तान मीडिया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं। बैठक 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होने वाली है। दशक बाद भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला पाकिस्तान दौरा है जिसे लेकर पाकिस्तान मीडिया में कई खबरें चल रही हैं। वहां की मीडिया में कहा जा रहा है भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान आने का फैसला क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का एक प्रयास है।

पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार ने हाल ही में विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे को लेकर दो अलग-अलग खबरें प्रकाशित की। एक खबर में विदेश मंत्रालय का बयान है जिसमें विदेश मंत्री के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान जाने की पुष्टि की गई थी। अखबार ने लिखा कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 15-16 अक्टूबर के बीच होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत के विदेश मंत्री एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान का दौरा करेंगे।

अखबार ने लिखा कि करीब एक दशक में किसी भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला विदेश दौरा है। पिछले साल मई में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो एससीओ विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत आए थे। करीब 12 सालों में भारत का दौरा करने वाले वह पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एससीओ बैठक में भारत का शामिल होना एक नाजुक संतुलन बनाने की कोशिश है जो दिखाता है कि संगठन के अंदर चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर भारत सतर्क है और इसके खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग की जरूरत को समझता है। एससीओ की आर्थिक रणनीतियों में चुनिंदा रूप से शामिल होकर, भारत एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपना रहा है। इसका मकसद मध्य एशियाई देशों के साथ रचनात्मक संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीनी प्रभुत्व को संतुलित करना है।

अखबार ने आगे लिखा कि पाकिस्तान में आयोजित बैठकों में हिस्सा लेने को लेकर भारत में हमेशा से एक हिचकचाहट रही है। ये नवंबर 2016 में 19वें सार्क शिखर सम्मेलन के बहिष्कार से शुरू हुई जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी। बहिष्कार के कारण गतिरोध पैदा हो गया, जिससे बैठक नहीं हो पाई क्योंकि सार्क चार्टर में यह अनिवार्य है कि शिखर सम्मेलन के लिए सभी सदस्य देशों का मौजूद होना जरूरी है। इसके विपरीत, एससीओ में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

अखबार ने दूसरी खबर में विदेश मंत्री का शनिवार को दिया गया बयान छापा है जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दौरे में वह द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई चर्चा नहीं करेंगे। जयशंकर ने नई दिल्ली में कहा कि संबंधों की प्रकृति को देखते हुए मीडिया की इसमें काफी रुचि होगी। जयशंकर ने कहा कि लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह एक बहुपक्षीय कार्यक्रम होगा। मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं वहां एससीओ का एक अच्छा सदस्य बनने जा रहा हूं। मैं एक विनम्र और सभ्य इंसान हूं और पाकिस्तान में वैसा ही व्यवहार करूंगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि विदेश मंत्री पाकिस्तान आने का फैसला कर ये संकेत दे रहे हैं कि हम एससीओ को कम नहीं आंक रहें...जब तय हुआ कि बैठक पाकिस्तान में होगी तो हम इसमें हिस्सा लेंगे। जब बिलावल भुट्टो गए थे भारत, उन्होंने कश्मीर पर बात की थी, जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया था, तब मीडिया को बड़ा मसाला मिला था। इस बार जयशंकर के पाकिस्तान आने से भी ऐसा ही होने वाला है।

डंपर की टक्कर लगने से बीच में दबी कार, चार छात्रों समेत पांच की मौत

कानपुर (ईएमएस)। यूपी के कानपुर महानगर के पनकी थानाक्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां एक तेज रफ्तार कार के आगे चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक ले ली। हादसे में पीछे से आ रहे डंपर की टक्कर लगने से कार बीच में दब गई। जिसमें पीएसआईटी के चार छात्रों समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को काटकर शवों को बाहर निकाला। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, पोस्टमार्टम हाउस में मृतकों के परिजन पहुंचे। शव देखते ही वह बिलख-बिलख कर रोने लगे। हादसे के बाद 20 किमी लंबा जाम लग गया। घटना की जानाकरी पाकर डीसीपी वेस्ट राजेश कुमार सिंह, एसीपी पनकी अमरनाथ यादव कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

मृतकों में बीटेक प्रथम वर्ष कंप्यूटर साइंस की छात्रा आयुषी पटेल, तृतीय वर्ष की छात्रा गरिमा त्रिपाठी, चतुर्थ वर्ष का छात्र प्रतीक सिंह व तृतीय वर्ष का छात्र सतीश कुमार शामिल है। इसके अतिरिक्त चालक यशोदा नगर निवासी निवासी विजय साहू भी हैं। इन पांचों लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि दशहरे की छुट्टी के बाद सोमवार सुबह कॉलेज खुलने पर दो छात्र व दो छात्राएं ड्राइवर के साथ ऑल्टो कार से पीएसआईटी कॉलेज जा रहे थे। इसी दौरान कॉलेज से करीब एक किमी दूर पर हादसा हो गया। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा देख लोग दहल उठे। वहीं, पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और गाड़ी से शवों को काटकर बाहर निकाला।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंची छात्रा गरिमा के परिजनों ने बताया कि मरने वाले चारों छात्र-छात्राएं एक ही मोहल्ले में रहने वाले थे। सभी में गहरी दोस्ती थी। परिजनों ने बताया कि एक ही कार बच्चों के लिए पीएसआईटी कॉलेज जाने के लिए बुक करा रखी थी। रोज की तरह सोमवार सुबह भी सभी छात्र-छात्राएं कॉलेज जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया और पांचों काल के गाल में समा गए।

महाराष्ट्र के दो नेता धुर्पतराव सावड़े और अविनाश घाटे ने छोड़ी भाजपा, कांग्रेस में हुए शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां दो प्रमुख नेताओं धुर्पतराव सावड़े और अविनाश घाटे ने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। बता दें कि आगामी चुनावों से पहले भाजपा के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि धुर्पतराव सावड़े और अविनाश घाटे दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली नेता रहे हैं।

इन नेताओं का कांग्रेस में शामिल होना विपक्षी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़त साबित हो सकता है, खासकर जब महाराष्ट्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। भाजपा से इन नेताओं का मोहभंग यह संकेत देता है कि राज्य में सत्ता-संतुलन को लेकर असंतोष और आंतरिक संघर्ष बढ़ रहा है।

कांग्रेस, जो महाराष्ट्र में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश कर रही है, इन नेताओं के शामिल होने से मजबूत हो सकती है। वहीं, भाजपा के लिए यह नेताओं का पार्टी छोड़ना संगठन के भीतर असंतोष और चुनौतियों का संकेत है।

वैश्विक 6जी पेटेंट फाइलिंग में भारत शीर्ष छह देशों में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में 5जी को रिकॉर्ड समय में लागू करने के बाद भारत 6जी तकनीक पर काम कर रहा है। देश 6जी से संबंधित पेटेंट दाखिल करने के मामले में शीर्ष है। वैश्विक 6जी पेटेंट फाइलिंग में भारत शीर्ष छह देशों में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक भारत के 6जी तकनीक के डिजाइन, विकास और तैनाती में अग्रणी योगदानकर्ता बनने की परिकल्पना की है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 6जी शोध को आगे बढ़ाने दो अगली पीढ़ी के टेस्टबेड को वित्तीय सेवा दी है। मोदी सरकार के नेतृत्व वाली एक समिति के अनुसार, भारत अगले तीन वर्षों में सभी 6जी पेटेंट में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी और वैश्विक मानकों में छठा योगदान हासिल कर सकता है। देश ने पहले ही पेटेंट और आईपीआर समर्थन ढांचे और टेस्टबेड की कमीशनिंग के साथ-साथ 'भारत 6जी विजन' और 'भारत 6जी अलायंस' जैसी विभिन्न पहल शुरू कर दी है।

कारोबार विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के लिए तकनीक में अग्रणी बनने विश्वसनीय कनेक्टिविटी के साथ वायरलाइन और इंटेलिजेंट वायरलेस ब्रॉडबैंड नेटवर्क दोनों का प्रसार महत्वपूर्ण है। 190 से अधिक देशों के विश्व दूरसंचार लीडर, विशेषज्ञ और शिक्षाविद 14-24 अक्टूबर तक भारत में आयोजित होने वाले 10 दिवसीय विश्व दूरसंचार मानकीकरण सम्मेलन (डबल्यूटीएसए-2024) में भाग लेने के लिए तैयार हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के 150 वर्ष के इतिहास में पहली बार 14-24 अक्टूबर तक राष्ट्रीय राजधानी में 'डबल्यूटीएसए-2024' का आयोजन किया जा रहा है।

झारखंड में एनडीए की पार्टियों ने बांट ली सीटें!

चिराग पासवान को एक सीट पर चुनाव लड़ने का मौका, मांझी के हाथ खाली

रांची(ईएमएस)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए की पार्टियों ने सीटों का बंटवारा कर लिया है। भाजपा ने सहयोगी दलों में आजसू पार्टी को नौ सीटें दी हैं। जेडीयू को दो सीटें मिली हैं। लोजपा (रामविलास) को एक सीट ऑफर की गई है। जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) पार्टी को कोई सीट नहीं दी गई है।

सुदेश महतो के नेतृत्व वाली आजसू पार्टी को 10 सीटें दी गई हैं। हालांकि इसके साथ शर्त है। एक सीट पर लोजपा (आर) को ऑफर की गई है। अगर चिराग पासवान मान जाते हैं तो आजसू को नौ सीटों पर ही चुनाव लड़ना पड़ेगा। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जेडीयू को दो सीटें दी गई हैं। इनमें एक सीट सरयू राय के जेडीयू में शामिल हो जाने के बाद सिटिंग सीट हो गई है।

झारखंड में भाजपा के दूसरे चुनाव प्रभारी असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की मानें तो सीट बंटवारे का औपचारिक ऐलान दो-तीन दिनों के अंदर हो जाएगा। भाजपा अपने उम्मीदवारों की सूची भी उसी दिन जारी कर देगी। हिमंता के मुताबिक सीट बंटवारे पर सहयोगी दलों के साथ सहमति बन चुकी है। भाजपा एक बार में अपने सभी उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं करेगी। पहली सूची दो-तीन में आएगी। दूसरी सूची में बाकी उम्मीदवारों के नाम होंगे।

ममता सरकार और जूनियर डॉक्टरों के बीच बैठक विफल, जारी रहेगा आंदोलन

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की आमरण अनशन और सरकार के बीच चल रहा तनाव बरकरार है। सोमवार को 12 डॉक्टर संगठनों के प्रतिनिधियों और भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के मुख्य सचिव मनोज पंत के नेतृत्व में स्वास्थ्य भवन में हुई बैठक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। सूत्रों का कहना है कि ममता सरकार ने जूनियर डॉक्टरों की मांगों को हल करने के लिए समयसीमा तय करने में असहमति जताई, जिससे डॉक्टरों में निराशा बढ़ी।

बैठक के बाद पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फोरम के अध्यक्ष डॉ. कौशिक चाकी ने बताया कि बैठक विफल रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने सरकार से मांग की थी कि कोई उच्च अधिकारी अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से सीधी बातचीत करें, लेकिन मुख्य सचिव मनोज पंत ने समयसीमा देने से इनकार कर दिया। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सचिव नारायणस्वरूप निगम की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया।

बैठक के बाद डॉक्टरों के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने आर.जी.कर के मुद्दे पर अपनी चिंताओं को साझा किया। डॉक्टरों की 10 सूत्रीय मांगों पर राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया है, जिससे डॉक्टरों का आंदोलन जारी रहने की संभावना है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने जूनियर डॉक्टरों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे जानबूझकर इस मुद्दे को खींच रहे हैं और राज्य सरकार को परेशान करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर लगातार अपनी मांगों को बदल रहे हैं और उनकी गतिविधियाँ वामपंथी ताकतों से प्रेरित हैं।

सरकार ने डॉक्टरों की 10 मांगों में से सात पर पहले ही विचार कर लिया है। शेष तीन मांगों पर सरकार समयसीमा देने में असमर्थ है, क्योंकि ये प्रशासनिक मुद्दे हैं। पंत ने कहा कि सरकार ने डॉक्टरों की समस्याओं पर ध्यान दिया है और उनसे भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की है।

जौहर ट्रस्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट का दखल से इंकार.....आजम खान को झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देकर याचिका दायर की थी, इसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आवंटित जमीन के पट्टे को रद्द कर यूपी सरकार को भूमि अधिग्रहण की इजाजत दे दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इंकार किया। इसके पहले याचिकाकर्ता आजम के वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई में कहा कि अभी स्कूल में 300 बच्चे पढ़ रहे हैं, लिहाजा यूपी के हाईकोर्ट आदेश पर रोक लगाई जाए और प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा वाली पीठ ने यूपी सरकार को आदेश दिया कि राज्य सरकार ये सुनिश्चित करें वहां पढ़ रहे करीब 300 छात्रों का दाखिला दूसरे शैक्षणिक संस्थानों में हो सके। दरअसल, हाईकोर्ट ने रामपुर में जौहर ट्रस्ट को सरकारी जमीन का पट्टा मामले में सपा नेता खिलाफ फैसला सुनाया था। जौहर ट्रस्ट की कार्यकारिणी समिति की तरफ से हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी, इस रद्द कर दिया गया। आजम मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

बता दें कि इससे पहले 28 अगस्त को आजम खान को एक अन्य मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। उन्हें 2019 में आचार संहिता उल्लंघन मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने बरी कर दिया था सबूतों के अभाव के चलते उन पर आचार संहिता का उल्लंघन नहीं पाया गया और वे इस केस से दोषमुक्त हो गए थे।

महाराष्ट्र चुनाव को लेकर दिल्ली में भाजपा और कांग्रेस का मंथन जारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव से निपटने के बाद सोमवार को दिल्ली में महाराष्ट्र चुनाव को लेकर अहम बैठकें हुईं, जिसमें कांग्रेस व भाजपा ने अपने अपने नेताओं के साथ बैठकर आगामी चुना

जन हितैषी

दिखावे और गैर जरूरी खर्च से बचें, बचत पर ध्यान दें

आज के दौर में दिखावे पर खर्च करना निम्न और मध्यम वर्ग में बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया है। दिखावे के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में गैर जरूरी खर्च लोग दिखावे के लिए कर रहे हैं। हवाई जहाज और ट्रेनों में आसानी से टिकट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। मध्यवर्ग के लोग हैसियत नहीं होने के बाद भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। रेलवे में एसी पर यात्रा करना आज-कल दिखावे के रूप में निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों में किया जा रहा है। यात्रा के दौरान टिकट से कई गुना ज्यादा पैसा ब्रांडेड सामग्री को खरीदने और खाने-पीने की चीजों में खर्च किया जा रहा है। एयरपोर्ट में कई गुने दामों में बिकने वाले सामान पर काफी पैसा खर्च किया जा रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के बीच में ब्रांडेड महंगी चीजों पर खर्च करना स्टेटस सिंबल बन गया है। वह भी उनके सामने जिन्हें वह जानते भी नहीं हैं। सोचने वाली बात है, कि इस तरह की फिजूलखर्ची के पीछे युवा वर्ग बड़ी तेजी से पैसे खर्च कर रहा है। छोटी-छोटी बचत से बड़ी रकम को बचाया जा सकता है। ऑनलाइन खरीदी की लत युवा वर्ग को बड़ी तेजी के साथ लगती चली जा रही है। मोबाइल फोन पर नई-नई चीज देखकर उन्हें खरीदने की आदत युवा वर्ग में नशे की तरह बढ़ती चली जा रही है। ऑनलाइन खरीदे गए सामान उनके लिए कितने उपयोगी हैं, कितने गैरजरूरी हैं, इसकी समझ भी उन्हें नहीं है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि कर्ज लेकर खर्च करना आज-कल के युवाओं का स्टेटस सिंबल बन गया है।

आज की युवा पीढ़ी यह भूल गई कि उनके अपने परिवार के बुजुर्ग अपने समय में हमेशा जरूरत की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते थे। वही चीज खरीदते थे, जो उनके लिए उपयोगी और जरूरी होती थीं। खर्चे में वो कभी कोई कमी नहीं करते थे, लेकिन जरुरत के लिहाज से ही खरीदी होती थी। बगैर जरुरत की चीजों में पैसा नहीं फेंका जाता था। अपनी आय के अनुरूप जरूरी खर्चों के बाद बचत करने पर विशेष रूप से ध्यान देते थे। यही नहीं हमारे बुजुर्ग कभी भी किसी के सामने अपनी आर्थिक स्थिति का भान होने नहीं देते थे। इन सब बातों के विपरीत आज का युवा वर्ग दिखावे की मानसिकता के चलते खर्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। बजाय इसके युवा वर्ग को प्राथमिकता के अनुसार ही खर्च करना चाहिए। दिखावे के लिए ब्रांडेड महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने से हमारी सामाजिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आता है। उल्टे आज का युवा वर्ग कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है। स्टेटस सिंबल को लेकर वह मानसिक रूप से हमेशा परेशान रहता है। युवाओं में बचत करने की कोई प्रवृत्ति नहीं है। आय और व्यय के बीच में संतुलन नहीं होने से बचत नहीं होती और इस कारण जब आकस्मिक कोई जरुरी खर्च करने की परिस्थिति सामने आती है तब यह युवा वर्ग बहुत परेशान हो जाता है। ऐसे में उसे कुछ सूझता नहीं है और कर्ज पर कर्ज लेकर अपनी जरुरतों को पूरा करने पर विवश हो जाता है। ऐसा करने से उसकी आगे की जिंदगी भी परेशानी में उलझती चली जाती है। नेक सलाह तो यही है कि गैरजरुरी खर्चों से युवा पीढ़ी को बचना चाहिए और बचत की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि स्टेटस सिंबल के चक्कर में किए जाने वाले खर्च से चंद मिनट तो सुख मिल सकता है, लेकिन लंबे समय के लिए यह किसी काम का नहीं होता है। इसलिए इससे बचना चाहिए और हर बात को स्टेटस सिंबल से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। युवा मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को स्टेटस सिंबल को लेकर एक क्षणिक संतोष तो हो सकता है, लेकिन इससे आगे फिर उनको परेशानी और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है। युवाओं के साथ ही निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को यह समझने की जरूरत है।

ई वी एम संदिग्धता : या इलाही ये माजरा क्या है ?

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज़ द्वारा किये गए एक्ज़िट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया बल्कि बड़े बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया। मज़े की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गदगद नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा भी यह एहसास था कि किसान आंदोलन,अग्निवीर योजना व पहलवानों जैसे ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी संभावना के तहत भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। इस क़वायद के बावजूद 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गये। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हज़ार से भी कम है।

आठ अक्टूबर को जब सुबह मतगणना शुरू हुई उस समय एग्ज़िट पोल द्वारा घोषित पूर्वानुमानों के अनुरूप ही कांग्रेस की भारी जीत के रुझान सामने आने लगे। बताया गया कि बैलट पेपर की गिनती में कांग्रेस तेज़ी से आगे जा रही थी परन्तु जैसे ही ई वी एम के मतों की गिनती शुरू हुई आंकड़ों ने उसी तेज़ी से करवट लेना शुरू कर दिया। उसी समय पूरे देश के सोशल मीडिया पर यह संदेह ज़ाहिर किया जाने लगा कि क्या भाजपा द्वारा फिर खेला कर दिया गया ? और शाम होते होते भाजपा राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत दर्ज करने व ज़रूरी बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चली। जबकि एक्ज़िट पोल के अनुसार 50 से 65 सीटें जीतने की उम्मीद रखने वाली कांग्रेस को मात्र 37 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इन चुनाव परिणामों ने निश्चित रूप से सभी को हैरान इसलिये भी कर दिया क्योंकि राज्य से भाजपा की हरियाणा में सत्ता से बिदाई की रिपोर्ट्स केवल मीडिया आधारित नहीं थी बल्कि स्वयं अनेक सरकारी एजेंसीज़ ने भी यही फ़ीड बैक दिया था। इसीलिये भाजपा के पक्ष में आये इन अप्रत्याशित परिणामों को लेकर संदेह पैदा होना स्वभाविक भी था। और इसतरह निशाने पर एक बार फिर ई वी एम आ गयी। कांग्रेस ने सीधा आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कई जगह ई वी एम को हैक किया गया है। यह सवाल भी उठा कि अनेक ई वी एम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95 ३ तक दिखा रही थी जबकि मतदान के अंतिम समय में प्रायः ई वी एम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60 से 70३ के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप है कि जहां जहां ई वी एम में बैटरी कम थी उनमें प्रायः कांग्रेस को बढ़त मिली है। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ई वी एम को बदल दिया गया। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इसतरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज की गई है।

सवाल यह है कि जब राहुल गांधी ने 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि राजा की आत्मा ईवीएम में है , उस समय केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि एम के स्टालिन व फ़ारूक़ अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फ़ारूक़ अब्दुल्ला की नेशनल कॉंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों ? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ई वी एम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ई वी एम ठीक थी ?

और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ई वी एम को ही ग़लत बताते हैं फिर आख़िर अब तक पूरे विपक्ष ने मिलकर ई वी एम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया ? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा चलाये जा रहे ई वी एम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुलकर साथ नहीं दिया ? यदि वास्तव में ई वी एम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिये घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिये। यहाँ तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता,तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ई वी एम से चुनाव नहीं चाहता तो इसके द्वारा होने वाले चुनावों का बहिष्कार तक किया जाना चाहिये। क्योंकि सच तो यह है कि ई वी एम पर शुरुआती संदेह की ऊँगली तो भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा ही उठाई गयी थी। वैसे भी इसकी संदिग्धता को लेकर इसलिये भी सवाल उठते रहते हैं कि आख़िर दुनिया के अनेक आधुनिक देशों ने इसका प्रचलन अपने देशों में क्यों बंद कर दिया ? और आधुनिक होने के बावजूद ऐसे देशों में आज भी चुनाव बैलट पेपर द्वारा ही क्यों कराये जाते हैं ? ई वी एम की संदिग्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट,पारदर्शी व सर्वस्वीकार्य होनी चाहिये। बेईमानी पर आधारित लोकतंत्र वास्तविक लोकतंत्र का परिचायक नहीं हो सकता।

(लेखक – तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारत के कलाम साहब! जिनकी शख्सियत कमाल की थी। उनका सरल स्वभाव, सादा जीवन और ऊंचे सपने देखने की ललक उन्हें वैश्विक परिदृश्य में एक अलग पहचान देती है। उनका बच्चों के बीच खुलकर विचार-विमर्श करना, उन्हें सपने देखने के लिए प्रेरित करना, उनकी जिज्ञासा को बढ़ने देना ताकि वो कुछ नया सीख पाए।

उनके सपनों को पंख देना ताकि वो अपनी उड़ान से भारत को नई बुलंदियों पर ले जाए, उनकी खुली आंखों का सपना था। कलाम साहब की ऐसी असंख्य खूबियां उन्हें बच्चों के पसंदीदा शिक्षक और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बनाती है।

भारत की बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध और शक्तिशाली देश बनाने का था। जिसे उन्होंने अपने अंतिम समय तक पूरा करने का प्रयास किया। वो भारत के कलाम थे और पूरा भारत उनमें बसता था। सशक्त भारत का ख़्वाब बदलते भारत की तस्वीर में साफ तौर पे देखा जा सकता है। हम तरक्की के नये पायदानों को पार करते आज ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। हालाँकि बहुत से अपवाद अभी भी हैं और होंगे ही वो स्वाभाविक हैं लेकिन उन अपवादों से इतर कलाम साहब का भारत विश्व के मानचित्र पर अपनी धाक बनाये हुए है।

अब्दुल कलाम जी का जन्म तमिलनाडु में रामेश्वरम के तमिल मुस्लिम परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था।

डॉ.कलाम का सफर रामेश्वरम से शुरू हुआ और भारत के राष्ट्रपति के पद तक पहुचें लेकिन उनकी पहली पसंद एक टीचर बने रहना ही रही। उन्होंने अपने जीवन को एक बेहतरीन लर्नर के रूप में ढाला। दुनिया के इस बेमिसाल टीचर ने अपने जिंदगी का आखिरी लम्हा 27 जुलाई सन् 2015 को अपने देश की युवा पीढ़ी के सामने ही मुकम्मल किया।

उनके जीवन के वो आखिरी पल जब दुनिया को अलविदा कहने का वक़्त आया, देश की यादगार धरोहर की तरह कैमरे में कैद हो गए। डा. कलाम साहब का सपना था भारत को 2020 तक आत्मनिर्भर भारत के रूप में वैश्विक पहचान बनते हुए देखें भारत की आने वाली नई पीढ़ी को थमा कर चले गए कलाम साहब। कलाम साहब के रहते देश ने एक के बाद एक कई तारीखी इबारतें लिखीं।

सन् 1980 में जब रोहिणी उपग्रह भारत का पहला स्वदेश-निर्मित प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 बना, डा. कलाम साहब बेहद खुश थे। यह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम था। भारत अन्तरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया।

डॉ. कलाम भारत को टेक्नोलॉजी की दुनिया में आत्मनिर्भर बनाने की इबारत लिखने की तैयारियों में जुट गए। डा. कलाम ने स्वदेशी गाइडेड मिसाइल को डिजाइन किया। भारतीय तकनीक से पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइलों को बनाया। भारत की सरजमीं से बेइन्तेहां मोहब्बत करने वाले भारत के इस होनहार बेटे ने भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए कई सफल प्रयोग किए।

दुनिया जानती है कि डा. कलाम ने शादी नहीं की, उनकी कोई औलाद नहीं थी। लेकिन उनका बच्चों से बेशुमार प्रेम था। एक बार उनसे किसी विदेशी पत्रकार ने ऐसा ही सवाल पूछा, कि आपकी कोई संतान नहीं है, फिर भी आप बच्चों से इतना प्यार करते हैं क्यों?

कलाम साहब मुस्कुराए और बडी शालीनता से बोले, मेरे तीन बच्चे हैं पृथ्वी, अग्नि और ब्रहमोस। यकीनन् राष्ट्रप्रेम और भारत को दुनिया के मानचित्र में विकसित देशों की श्रेणी में लाने का उनका प्रयास ही उनका वास्तविक प्रेम था। जिसके परिणाम स्वरूप भारत के करोड़ों बच्चों की आज भी कलाम साहब पहली पसंद हैं।

लगभग पांच वर्षो के अथक परिश्रम के फलस्वरूप जब 'अग्नि' मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तब डॉ. कलाम कहते हैं कि 'अग्नि को इस नजर से मत देखो, ये सिर्फ ऊपर उठने का साधन नहीं है, न शक्ति की नुमाइश है, अग्नि एक लौ है जो हर हिन्दुस्तानी के दिलों में जल रही है। इसे मिसाइल मत समझो! यह कौम के माथे पर चमकता हुआ आग का सुनहरा तिलक है।'

डॉ. कलाम ने एक के बाद एक कई सशक्त सुरक्षा के हथियारों, मिसाइल से लेकर परमाणु परीक्षण तक में, भारत को दुनिया के परमाणु सम्पन्न देशों की श्रेणी में लाने का सफल प्रयास किया। लेकिन उनके स्वाभाव की सौम्यता इन हथियारों को आधुनिक तकनीक के साथ विकास से जोडकर देखती है। भारत हमेशा से शान्तिप्रिय देश है, दुनिया को यह बेहतर तरीके से समझाने का काम किया कलाम साहब ने।

डॉ.कलाम ने अपनी बेशकीमती धरोहर के रूप में देश को कई पुस्तकें समर्पित की- इंडिया 2020 ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी तथा इग्नाटिड माइंड्स-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया, विंग्स ऑफ फायर, एनविजनिंग अन एमपावर्ड नेशन : टेक्नालॉजी फार सोसाइटल ट्रांसफारमेशन आदि।

डॉ. कलाम ने सितंबर 1985 में त्रिशूल, फरवरी 1988 में पृथ्वी, मई 1989 में रूस के साथ मिलकर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम के इस जज्बे को सलाम करते हुए देश उन्हें मिसाइल मैन के नाम से संबोधित करता है। डॉ. कलाम को 1981 में भारत सरकार ने पद्म भूषण, 1990 में पदम् विभूषण और 1997 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया।

डॉ. कलाम का कहना था कि 'मेरे ख्याल से मेरे वतन के नौजवानों को एक साफ नज़रिए और दिशा की जरूरत है। वो भारत को वैश्विक परिदृश्य में विकसित देशों की श्रेणी में देखना चाहते थे। वो कहते थे 'काश! हर हिंदुस्तानी के दिल में जलती हुई लौ को पंख लग जाए और उस लौ की परवाज़ से सारा आसमान रौशन हो जाए।' कलाम साहब की बेमिसाल शख़्सियत भारत के हर नौजवान की वास्तविक धरोहर है, जिसे वो सदियों सहेज के रखने का प्रयास करेगा।

हजारों साल नर्गिस अपनी बे -नूरी पे रोती है

बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा।

मशहूर शायर अल्लामा इकबाल साहब ने ये शेर भले ही किसी खास शख़्सियत के लिए लिखा हो लेकिन यदि यह कहें कि मौजूदा दौर में भारत रत्न डॉ. ऐ पी जे कलाम साहब पर सही साबित होता है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी।

(लेखिका- नाज़ परवीन / ईएमएस)

सनातन संस्कृति के भाव को जगाने हेतु संघ की स्थापना विजयादशमी के दिन ही क्यों हुई

भारतीय परंपरा में,''आश्विन शुक्ल दशमी'' को, अक्षय स्फूर्ति, शक्तिपूजा एवं विजय प्राप्ति का दिवस माना जाता है। किसी भी शुभ, सात्विक एवं राष्ट्र गौरवकारी कार्य को प्रारंभ करने के लिए यह मुहूर्त सर्वोत्तम माना गया है। विजयादशमी का यह उत्सव आसुरी शक्तियों पर दैवी शक्तियों की विजय का प्रतीक है।

विजयादशमी के दिन ही सतयुग में भगवती मां दुर्गा के रूप में दैवी शक्ति ने महिषासुर का मर्दन किया था। त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने वनवासियों का सहयोग लेकर, उन्हें संगठित कर तथा सेतु-निर्माण कर, दुष्ट रावण की आसुरी शक्तियों का विनाश किया था। तथा, इसी प्रकार द्वापरयुग में श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन में दैवी शक्तियों ने आसुरी शक्तियों का विध्वंस किया था। कलयुग में प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिंदुत्व का स्वाभिमान लेकर हिंदू पद-पादशाही की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा सीमोल्लंघन की परंपरा का प्रारंभ भी इसी पावन दिवस पर किया गया था। और, रामलीला तथा दुर्गापूजा इन दोनों उत्सवों को, इस विजयशाली दिवस की पावन स्मृति को, लोकमानस में बनाए रखने की दृष्टि से ही, मनाया जाता है।विजयादशमी के पावन दिवस पर शस्त्र-पूजन की परंपरा भी है। 12 वर्ष के वनवास तथा 1 वर्ष के अज्ञातवास के पश्चात् पांडवों ने अपने शस्त्रों का पूजन इसी दिन किया था तथा उन्हें पुनः धारण किया था।

विजयादशमी के दिन ही, परमपूज्य आद्य सरसंघचालक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने नागपुर के मोहिते के बाड़े में संवत् 1983 तदनुसार 27 सितंबर 1925 ईसवी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, अर्थात् राष्ट्र जीवन में शक्ति का निर्माण करने के लिए संकल्पित संघ का कार्य भी इसी दिन के शुभ मुहूर्त से प्रारंभ हुआ था। वर्ष 2014 में विजयादशमी दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, अर्थात्, संघ का यह सौवां विजयादशमी उत्सव है।

मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासनकाल के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था। हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षो तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। साथ ही, जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि 'संघ शक्ति कलौ युगे अर्थात् कलयुग में संगठन ही सर्वोपरि है। इस वाक्य के अनुरूप ही संघ में संगठन को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव-जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुनः प्रतिष्ठित किया जाए। इस प्रकार, संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। मार्च, 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा की बैठक में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है - वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त और मुखर होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ''हिंदू'' शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि ''सही अर्थों में एक हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए''।

स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं इस महान कार्य को आगे बढ़ाते हुए ''स्व'' के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। संघ की शाखाओं में अनोखी पद्धति का अनुपालन करते हुए युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया जाता है। शाखा की इस अनोखी पद्धति की सराहना आज पूरे विश्व में ही की जा रही है। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जाय।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, ''हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र, जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है ष्ठष्ठ यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकारी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।''

वस्तुतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आज भी लक्ष्य हिंदुओं को जाति, क्षेत्र और भाषा के कृत्रिम विभाजन के चलते उत्पन्न सामाजिक सांस्कृतिक विरोधाभासों से उबारना है। इसकी आकांक्षा है कि भारत को विश्व गुरु का स्थान अपने कृतत्व, दर्शन और सांस्कृतिक प्रभाव से पुनः मिले। भारतीय समाज को संघ के इन प्रयासों से अपने आप को जोड़ना चाहिए तभी भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

हाल ही के समय में हिंदू समाज में दिखाई दे रही एकरसता के चलते भारत का रुतबा वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, यह परिणाम स्पष्ट तौर पर दिखाई देने लगा है। भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में अमेरिका, रूस, जापान, चीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स जैसे पश्चिमी देशों के नाम ही सुनाई देते रहे हैं। यूनाइटेड नेशन्स में वीटो पावर भी इन्हीं देशों के पास रही है। भारत का इस दृष्टि से दूर दूर तक नाम दिखाई नहीं देता था। परंतु, आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है।''एशिया पावर इंडेक्स 2024''नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। यहां यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारत का विकास स्पर्धा के लिए नहीं है, बल्कि पूरे विश्व में अच्छा वातावरण बनाने तथा शांति स्थापित करने के लिए है क्योंकि भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना में विश्वास रखता हैं।(लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

6 जी की दौड़ में आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत 6जी प्रौद्योगिकी के पेटेंट की होड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अलग-अलग अध्ययनों के आधार पर भारत इस मामले में दुनिया में चौथे से छठे स्थान पर है। दिल्ली एशिया में 15 अक्टूबर से पहली बार में विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली (डब्ल्यूटीएसए) की मेजबानी कर रहा है और यह 6जी के लिए मानक निर्धारण में इसके प्रभाव और भूमिका को निर्धारित कर सकती है। यह सम्मेलन 190 देशों के प्रतिनिधियों को 6जी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा जैसी महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए भविष्य के मानक पर चर्चा करने का मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत का लक्ष्य आईपी का प्रमुख प्रदाता बनना और किफायती 6जी समाधान उपलब्ध कराना है। वैश्विक आईपी प्रबंधन सेवाओं के लिए पेटेंट तथा ट्रेडमार्क लाइफ साइकल- मैक्सवेल के आंकड़ों के अनुसार भारत 188 6जी पेटेंट के साथ दुनिया में छठे स्थान पर है। चीन 6,001 पेटेंट के साथ सबसे आगे है जबकि दूसरे स्थान पर 3,909 पेटेंट के साथ अमेरिका का कब्जा है। इसके बाद दक्षिण कोरिया (1,417), जापान (584) और यूरोपीय संघ (214) का स्थान आता है। ब्रिटेन (151), जर्मनी (84), स्वीडन (74) और फ्रांस (73) 6जी पेटेंट के मामले में भारत से पीछे हैं। ब्रिटेन के एक अध्ययन के अनुसार पिछले साल अप्रैल में भारत 265 पेटेंट के साथ चौथे नंबर पर था। इससे ऊपर चीन (4,604), अमेरिका (2,229) और दक्षिण कोरिया (760) थे। आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की स्थिति तेजी से बदली है। अगस्त 2021 में जापान के निक्केई और साइबर क्रिएटिव इंस्टीटयूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि 6जी पेटेंट में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.3 फीसदी थी। वहीं 35.5 फीसदी के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर था। उसके बाद जापान (9.9 फीसदी), यूरोप (8.9 फीसदी) और दक्षिण कोरिया (4.2 फीसदी) का स्थान था जबकि कुल 6जी पेटेंट में भारत की हिस्सेदारी महज 1.5 फीसदी बताई गई थी। कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जहां भारत ने 6जी पेटेंट हासिल किया है। देश के कुल पेटेंट में ज्यादातर ब्लॉकचेन और डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर तकनीक क्षेत्र में है।

शब्द पहेली - 8158

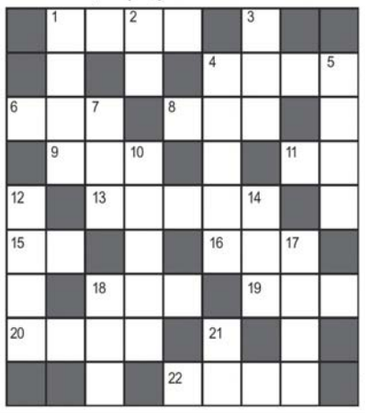

बाएँ से दाएँ

1.प्रार्थना,खुशामद-4
4.श्मशान,शवदाहगृह-4
6.भ्रमर,चक्र-3
8.कामदेव,सुंदर-3
9.चांदी-3
11.सितारा-2
13.राजकुमार,मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15.हालात,तबियत-2
16.फिजूल,व्यर्थ-3
18.डिपो-3
19.गमन,विदा-3
20.झगड़ा,अनबन-4
22.लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1.आलता,माहुर-4
2.घाटा,नुकसान-2
3.कमल,जलज-3
4.अभिष्ट इच्छा,चाह-5
5.टक्कर,मुठभेड़-4
7.रात्रि,निशा-3
10.जरुरतमंद-5
12.हाथी साधने वाला-4
14.तरंग,हिलोर-3
17.कसरत,परेड-4
18.विश्राम,राहत-3

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद सेंसेक्स 592 अंक , निफ्टी 163 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दूनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवावी हावी रहने से आई है। वहीं इससे पहले के अंतिम कारोबारी दिन बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी उछलकर बंद हुए। इसके अलावा वित्तीय और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में भी बढ़त रहीं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.73 फसदी या 591.69 अंक ऊपर आकर 81,973.05 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी भी 0.66 फीसदी तकरीबन 163.70 अंक ऊपर आकर 25,127.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.86 फीसदी बढ़ा। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं।

वहीं दूसरी ओर मारुति का शेयर 1.85 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट,नेस्ले इंडिया, टीसीएस और टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये।

निवेशकों का ध्यान अब सितंबर के घरेलू मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगा। यह आंकड़े तय करेंगे कि केंद्रीय बैंक आरबीआई ब्याज दरों में कितनी कमी करेगा। निवेशक ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेतों पर नजर गड़ाए हुए हैं और सतर्क रुख अपना रहे हैं।

बाजार जानकारों के अनुसार कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम कमजोर रहने और तेल की कीमतों में गिरावट के बीच ही भारतीय बाजार आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर खरीदारी से ऊपर आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत

शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 210.37 अंक बढ़कर 81,591.73 पर खुला। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी-50 59.20 अंक की तेजी के साथ 25,023 पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री एक प्रतिशत घटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सितंबर में देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 3,56,752 यूनिट रही। सितंबर, 2023 में कंपनियों ने डीलर को कुल 3,61,717 गाड़ियां भेजी थीं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने कहा कि हालांकि, कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 20,25,993 यूनिट रही। पिछले साल सितंबर में यह 17,49,794 यूनिट थी। सियाम ने कहा कि कुल तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 79,683 यूनिट हो गई, जो सितंबर 2023 में 74,671 यूनिट थी।

सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। करवा चौथ से पहले सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की चमक फीकी पड़ गई है। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों के वायदा भाव गिर गए हैं। सोने का वायदा भाव 0.08 फीसदी गिरकर 76,245 रुपए और चांदी का भाव 0.66 फीसदी गिरकर 91,082 रुपए के आसपास कारोबार कर रहा है। शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 1,150 रुपए बढ़कर 78,500 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। इस तरह सोने का भाव अपने उच्चतम स्तर के करीब है। इससे पहले गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोना 77,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत 1,500 रुपए के उछाल के साथ 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। सभी कैरेट का हॉलमार्क अंक अलग होता। जैसे 24 कैरेट पर 999, 23 कैरेट सोने पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 पर 750 लिखा होता है। जेवर बनाने में 22 कैरेट गोल्ड का ही इस्तेमाल होता और यह सोना 91.6 फीसदी शुद्ध होता है। लेकिन असर इसमें मिलावट कर 89 या 90 फीसदी शुद्ध सोने को ही 22 कैरेट गोल्ड बताकर जेवर को बेच दिया जाता है। इसीलिए जब भी जेवर खरीदें तो उसकी हॉलमार्क के बारे में जानकारी जरूर ले लें। अगर गोल्ड की हॉलमार्क 375 है तो यह गोल्ड 37.5 फीसदी शुद्ध सोना है। वहीं अगर हॉलमार्क 585 है तो यह सोना 58.5 फीसदी शुद्ध है। 750 हॉलमार्क होने पर यह सोना 75.0 फीसदी खरा है। 916 हॉलमार्क होने पर सोना 91.6 फीसदी खरा है। 990 हॉलमार्क होने पर सोना 99.0 फीसदी खरा होता है। अगर हॉलमार्क 999 है तो सोना 99.9 फीसदी खरा है।

खुलने से पहले ही देश के सबसे बड़े आईपीओ में आई गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया देश का सबसे बड़ा आईपीओ लाने जा रही है, जिसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपए है। यह आईपीओ 15 अक्टूबर से लेकर 17 अक्टूबर तक निवेश के लिए खुला रहेगा। इस दौरान निवेशक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। कंपनी इस आईपीओ के तहत कोई फ्रेश शेयर जारी नहीं करेगी। कुल 14.22 करोड़ शेयर जारी होंगे।

भारत में चीन से घटिया स्टील हो रहा डंप.....मोदी सरकार सतर्क

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार चीन से आ रहे घटिया स्टील के आयात को देखकर सख्त गुणवत्ता मानकों को कठोर करने पर काम कर रही है। भारत का यह निर्णय अक्टूबर की शुरुआत में इस्पात मंत्रालय की तरफ से किए गए एक विस्तृत समीक्षा के बाद लिया गया है। समीक्षा में ग्लोबल लेवल पर ट्रेड डायवर्जन की वजह से इस क्षेत्र पर बढ़ते खतरे को उजागर किया गया था।

चालू वित्त वर्ष (25) के पहले पांच माह में, भारत स्टील का शुद्ध आयातक बन गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में देश ने 3.45 मिलियन टन (एमटी) स्टील का आयात किया, जबकि 1.92 एमटी का निर्यात हुआ। आयात में यह बढ़ोतरी वैश्विक उत्पादकों की तरफ से नए बाजारों की तलाश के कारण हुई है। ग्लोबल प्रोडयूसर्स इसलिए नए बाजारों की तलाश कर रहे हैं क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) ने टैरिफ बढ़ाया है और इस दौरान मांग भी कमजोर हुई है। इसके चलते भारत में स्टील डंपिंग का जोखिम बढ़ गया है।

मोदी सरकार का गुणवत्ता जांच को कड़ा करने का उद्देश्य स्टील आयात की बाढ़ को रोकना है। वर्तमान में, कई स्टील ग्रेड को इस्पात मंत्रालय की तरफ से जारी 'नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) के आधार पर आयात की अनुमति मिलती है, भले ही पहले से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) लागू हों।

हालांकि, अब अधिकारियों का कहना है कि आगे से केवल उन्हीं स्टील ग्रेड्स के लिए एनओसी दी जाएगी, जिनका स्थानीय उत्पादन नहीं होता। इससे इसतरह के स्टील का आयात रुकने की उम्मीद है जो भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अनुरूप नहीं है। इस्पात मंत्रालय ने 151 क्यूसीओ के तहत 1,279 स्टील ग्रेड के लिए मानदंड जारी किए हैं, लेकिन 1,127 ग्रेड्स को एनओसी के साथ आयात की अनुमति दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, इस खामी को दूर किया जाएगा और क्यूसीओ का दायरा बढ़ाया जाएगा ताकि अधिक स्टील ग्रेड्स को कवर किया जा सके।

एलआईसी ने पॉलिसी के नियम बदले, योजना में एंट्री उम्र घटाई!

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि यह सेविंग प्लान भी है। इसमें मृत्यु और परिपक्वता के लाभ एक साथ मिल जाते हैं। एंडोमेंट प्लान वाली इंश्योरेंस पॉलिसी में आपको लाइफ कवर के साथ ही मैच्योरिटी बेनिफिट भी मिलते हैं। इसके चलते पॉलिसी के दौरान व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर परिवार को भुगतान किया जाता है। साथ ही मैच्योरिटी पर अलग लाभ मिलते हैं। हालांकि, हालिया बदलावों के बारे में एलआईसी ने अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

महंगी सब्जियों ने बिगाड़ दिया अर्थव्यवस्था और रसोई का पूरा गणित

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगी सब्जियों ने अर्थव्यवस्था के साथ महिलाओं की रसाई का गुणा-गणित बिगाड़ दिया है। दरअसल खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य महंगाई (डब्ल्यूपीआई) सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हुई। मोदी सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई।

अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमश: 78.13 और 78.82 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 2.42 प्रतिशत से बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 3.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.47 प्रतिशत रही। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -0.67 प्रतिशत से घटकर 4.05 प्रतिशत रही।

मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.22 प्रतिशत से घटकर 1 प्रतिशत रही। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है, तब प्रोडयूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं।

विदेश से पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करना जरूरी: दास

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा ?कि विदेशों से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत को कम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है। दास ने सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान कहा ?कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण पहला कदम है। हमारा मानना है कि इस तरह के धन प्रेषण की लागत और समय को काफी कम करने की अपार संभावनाएं हैं। डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं।

आरबीआई की ओर से शुरू किए गए ई-रूपी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है। आगे बढ़ते हुए, मानकों और अंतर-संचालन में सामंजस्य सीबीडीसी को सीमा पार भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गंभीर वित्तीय स्थिरता चिंताओं को दूर करने में सक्षम बनाएगा। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और आंकड़ों के लीक होने का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा ?कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम उपाय करने चाहिए। बैंकों को एआई और बिगटेक फायदों का लाभ उठाना चाहिए।

श्रीलंका में भारी बारिश तीन लोगों की मौत

कोलंबो (ईएमएस)। भारत के पड़ोसी मुल्क श्रीलंका में भारी बारिश के कारण लोगों की दिक्कतें बढ़ गई है। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि मौसम की खराब स्थिति के कारण सोमवार सुबह तक तीन लोगों की मौत हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, डीएमसी ने बताया कि देश में सात अक्टूबर से भारी बारिश शुरू हुई और सोमवार सुबह तक देश भर के 12 जिलों में बारिश से उत्पन्न आपदाओं के कारण 34,492 परिवारों के 134,484 लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंकाई सिंचाई विभाग ने पांच मुख्य नदियों के सात स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी दी है।

श्रीलंका के मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, साबरागमुवा, उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी प्रांतों तथा गाले और मतारा जिलों में कुछ स्थानों पर 100 मिमी से अधिक भारी बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है।

इसके पहले खबर थी कि श्रीलंका में बारिश से जुड़ी घटनाओं से 22 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया था कि सात अक्टूबर से शनिवार सुबह तक देश के 11 जिलों में 5 हजार 348 परिवारों के 22 हजार 64 लोग विस्थापित हो चुके हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, पानी से भरे धान के खेत में एक व्यक्ति डूब गए। बता दें कि इसी साल जून में श्रीलंका में बाढ़ और बारिश से संबंधी घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी और छह अन्य लापता बताए हो गए थे। भारी बारिश के कारण आई बाढ़ की वजह से स्कूल भी बंद कर दिए गए थे।

उत्तर कोरिया विभिन्न देशों को जोड़ने वाली सड़कों को उड़ाने की कर रहा कोशिश!

-दक्षिण कोरिया का दावा, हमें उकसाया तो आत्मरक्षा के लिए करेंगे कार्रवाई

सियोल,(ईएमएस)। दक्षिण कोरिया की सेना का दावा है कि कुछ दिनों पहले प्योंगयांग ने सभी अंतर-कोरियाई सड़कों और रेलमार्गों को काटने की कसम खाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी (केपीए) ने उन उपायों पर बात की थी जो उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से पूरी तरह से अलग कर देगा और कहा था कि उसने दक्षिण में अमेरिकी सेना को टेलीफोन संदेश भेजा है जिसमें किलेबंदी परियोजना पर किसी भी गलत फैसले और आकस्मिक संघर्ष को रोकने की बात कही है।

संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि 9 अक्टूबर को केपीए द्वारा की गई घोषणा के बाद, उत्तर कोरियाई सेना ऐसी गतिविधियां कर रही है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे ग्योंगगुई और डोंगहे लाइनों के साथ सड़कों पर विस्फोटों से जुड़ी हैं। जेसीएस प्रवक्ता ने कहा कि सेना ने पाया कि उत्तर कोरिया विस्फोटों की तैयारी के लिए सड़कों पर कवर लगा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया अंतर-कोरियाई सड़कों पर विस्फोट कर सकता है या अन्य उकसाने वाली गतिविधियों को बढ़ावा भी दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर कोरिया उकसावे की कार्रवाई करता है, तो हम आत्मरक्षा के अधिकार के लिए जवाबी कार्रवाई करेंगे।

जेसीएस ने कहा कि वह बॉर्डर पर हो रही ऐसी गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहा है और सैनिकों और दक्षिण कोरियाई लोगों के लिए सुरक्षा उपाय तलाश रहा है। दोनों देश ग्योंगुई लाइन के जरिए सड़कों और रेलमार्गों से जुड़े हुए हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब उत्तर कोरिया अंतर-कोरियाई तनाव को बढ़ा रहा है और एकीकरण के निशान मिटा रहा है, क्योंकि उसके नेता किम जोंग-उन ने पिछले साल कोरिया को दो शत्रुतापूर्ण राज्य के रूप में परिभाषित किया था और इसे देखते हुए ही इंटर कोरियन एक्सचेंज और सहयोग के प्रतीक के रूप में देखे जाने वाले मार्गों को खत्म करने के लिए कदम उठाए।

उत्तर कोरिया ने स्ट्रीट लैंप हटा दिए हैं और ग्योंगगुई और डोंगहे सड़कों के किनारे खदान खोद दी हैं साथ ही संदिग्ध एंटी-टैंक बैरियर बनाने और दोनों कोरिया को अलग करने वाले डिमिलिटराइज्ड ज़ोन के उत्तर की ओर कंटीले तारों को लगाकर सैनिक तैनात कर दिए हैं। उत्तर कोरिया ने दावा किया था कि दक्षिण ने इस महीने तीन बार प्योंगयांग के ऊपर मानव रहित ड्रोन भेजे हैं। उत्तर कोरियाई तानाशाह की बहन किम यो-जोंग ने चेतावनी दी थी कि अगर अगले दिन दक्षिण कोरियाई ड्रोन फिर से उड़ाए गए तो इसके भयानक परिणाम होंगे।

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने रणनीतिक मुद्दों का हवाला देते हुए इस दावे की पुष्टि करने से इनकार कर दिया और चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया दक्षिण कोरियाई लोगों को नुकसान पहुंचाता है तो वह अपने शासन का अंत देखेगा। सेना उकसावे के खिलाफ पूरी तरह से तैयार है, क्योंकि उत्तर कोरिया की सेना ने पिछली रात सीमा पर तोपखाने इकाइयों को गोलीबारी के लिए पूरी तरह से तैयार रहने का आदेश दिया था।

ओपिनियन पोल में कमला हैरिस को बड़ा झटका, ट्रंप की दमदार वापसी

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर रविवार को जारी तीन सर्वेक्षणों में डोनाल्ड ट्रंप पर कमला हैरिस की बढ़त कम हुई है या पूरी तरह से खत्म हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पोल में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन उम्मीदवार राष्ट्रीय स्तर पर 48 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। ये हैरिस के लिए इसलिए झटका है क्योंकि पिछले महीने इसी पोल में उनको ट्रंप पर पांच अंकों की बढ़त मिली थी। पोल में हैरिस 50 और ट्रंप 48 प्रतिशत पर हैं। पिछले महीने इस सर्वेक्षण में हैरिस 52 प्रतिशत और ट्रंप 46 प्रतिशत पर थे।नए पोल में हैरिस को 51 प्रतिशत से 48 प्रतिशत तक बढ़त हासिल है, जबकि पिछले महीने उन्हें चार अंकों का फायदा हुआ था। डेमोक्रेटिक पीर्टी के समर्थकों की इस चिंता इससे भी बढ़ी है क्योंकि हैरिस पार्टी के दो प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों, हिस्पैनिक्स और अफ्रीकी अमेरिकियों के बीच समर्थन बढ़ाने में विफल रही हैं।कमला हैरिस सभी जातियों की महिलाओं के बीच ट्रंप से आगे दिख रही हैं लेकिन उन्हें अफ्रीकी अमेरिकियों और हिस्पैनिक पुरुषों के बीच समर्थन बढ़ाने लिए संघर्ष करना पड़ा है।हैरिस और ट्रंप ने अपना अभियान तेज कर दिया है। रविवार को हैरिस ने उत्तरी कैरोलिना और ट्रंप ने एरिजोना में कार्यक्रम आयोजित किए। हैरिस लगातार अपने अभियानों में ट्रंप पर निशाना साध रही हैं तो ट्रंप भी तमाम वादे कर रहे हैं।

भारत समेत 34 देशों ने की इजरायल की कड़ी निंदा? अमेरिका करेगा- नेतन्याहू से बात

बेरूत(ईएमएस)। इजरायली हमले और शांति प्रस्ताव ठुकराने जैसे मामले में दुनिया के कई देश इजरायल से नाराज हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस और पश्चिमी देशों के नेताओं ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा की है। शांतिरक्षक बल पर इजरायली हमलों की भारत और 34 अन्य देशों ने कड़ी निंदा की है। इस बाबत जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि इजरायल शांतिरक्षक बल पर हमले तत्काल रोके।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात कर संयुक्त राष्ट्र बल पर हमले रोकने के लिए कहेंगे। इन हमलों के विरोध में फ्रांस ने इजरायली राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध जताया है जबकि इटली और स्पेन ने इजरायली सेना के कृत्य को अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य बताया है। इस बीच इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र से दक्षिण लेबनान से शांतिरक्षक बल को हटाने का अनुरोध किया है। कहा है कि हिजबुल्ला लड़ाकों के शांतिरक्षक बल की आड़ लेने से ये घटनाएं हो रही हैं। हिजबुल्ला के लड़ाके शांतिरक्षक बल के जवानों को बंधक भी बना सकते हैं। विदित हो कि दक्षिणी लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र बल के 10 हजार जवानों में 900 भारतीय हैं।

इजराइल अब चहुंओर से घिरा, कर सकता है ईरान पर बड़ा हमला

-अकेले पड़ते जा रहे नेतन्याहू, किसी की नहीं सुन रहे

तेहरान,(ईएमएस)। यहां ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें क्या दागीं, नेतन्याहू के सुर बदले-बदले नजर आने लगे हैं।

ईरान से हर कीमत पर बदला लेने की बात कर रहे इजराइल पर अमेरिका ने शक जाहिर किया है कि इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों के साथ ही तेल की जगहों को निशाना बना सकता है। इस पर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दे दी है। वैसे इजराइल को और हमले नहीं करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समेत अमेरिका जैसे अनेक देशों ने कहा है, लेकिन वो किसी की नहीं सुन रहे हैं। इस जिद के कारण नेतन्याहू दुनियां में अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से सूत्रों ने जानकारी दी है कि अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल जवाबी कार्रवाई के दौरान ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। वहीं दूसरी तरफ पहले से ही ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रकचर पर हमला करने की आशंका जताई जा चुकी है। ऐसे हालात में ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों से स्पष्ट कह दिया है कि यदि इजराइल ने हमला किया तो उसका जवाब वो जरूर देगा। हमास से चल रही जंग के बीच ईरान से शुरु हुई तनातनी के बीच नेतन्याहू ने एक बार फिर कैबिनेट बैठक कर रहे हैं। इस बैठक को लेकर सभी की नजरें उन पर टिकी हुई हैं। इससे पहले शुक्रवार को भी बैठक की गई थी, लेकिन कोई फैसला बैठक के दौरान नहीं लिया जा सका था। इससे स्पष्ट है कि नेतन्याहू अब इस जंग में अकेले पड़ते जा रहे हैं।

इजराइल और हमास के बीच जारी जंग को एक साल से पूरा हो चुका है। ऐसे में जबकि संयुक्त राष्ट्र कई दफा इजराइल के हमलों को बंद करने की बात कह चुका है, अब अमेरिका ने भी यही बात कहनी शुरु कर दी है। बावजूद इसके यह जंग खत्म होने की बजाय बढ़ने के साथ विस्तारित भी होती जा रही है। इस जंग में सात ओर से घिरे इजराइल के नागरिकों ने भी नेतन्याहू के खिलाफ देश में ही मोर्चा खोला हुआ है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि इजराइल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह समेत अनेक नेताओं को मौत के घाट तो उतार दिया, लेकिन ईरान से भी उसने पंगा ले लिया है। दरअसल हिजबुल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए ईरान ने 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। ऐसे में अमेरिका को शंका है कि इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों समेत प्रमुख ठिकानों को निशाना बना सकता है। ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को इजराइल निशाना बना सकता है, इसकी आशंका पहले ही अमेरिका जाहिर कर चुका है और अब सवाल किए जा रहे हैं कि ऐसा हुआ तो आगे क्या होगा? दूसरी तरफ ईरान ने भी इजराल को हर हमले का जवाब देने की बात कहकर खाड़ी देशों से भी संगठित होने की बात कह दी है। इजराइल बैरूत पर हमले जारी रखे हुए है, जिसकी जद में संयुक्त राष्ट्र के सेवा व शांति कार्य में लगे कर्मी भी आ रहे हैं। यही वजह है कि इस जंग में अब इजराइल अलग-थलग पड़ता नजर आया है।

भारत से बातचीत को बेकरार है पाकिस्तान, शाहबाज शरीफ ने दिया इशारा, क्या करेंगे जयशंकर

13 अक्टूबर

पाकिस्तान में एससीओ सीएचजी बैठक: पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार भारत के साथ संबंध स्थापित करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, भारत की ओर से उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है. पाकिस्तान ने साफ संकेत दिया है कि वह एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के साथ द्विपक्षीय बैठक करने के लिए तैयार है. पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ, भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर मिल सकते हैं. जयशंकर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि वह पाकिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय बैठक नहीं करेंगे.

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एससीओ बैठक को लेकर एक बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे. शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 23वीं बैठक में भाग लेने के लिए सात प्रधान मंत्री, एक उपराष्ट्रपति और एक विदेश मंत्री अगले सप्ताह इस्लामाबाद पहुंचेंगे।

पाकिस्तान पहली बार 15 से 16 अक्टूबर तक शंघाई सहयोग संगठन की बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। सीएचजी एससीओ एक अन्य शीर्ष निकाय है। सम्मेलन में चीन और रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रधान मंत्री भाग लेंगे। एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति भी हिस्सा लेंगे. मंगोलिया के प्रधानमंत्री और तुर्कमेनिस्तान के विदेश मंत्री विशेष अतिथि होंगे। अफगानिस्तान सीएचजी बैठक में भाग नहीं लेगा, क्योंकि बीजिंग स्थित एससीओ सचिवालय ने काबुल को भाग लेने के लिए निमंत्रण नहीं भेजा है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री प्रतिनिधिमंडल के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे. लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस। जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक भी शामिल है या नहीं. इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने इस यात्रा के दौरान पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को खारिज कर दिया था.

इजराइली सेना ने स्कूल पर बरसाए बम, बच्चों समेत 20 की मौत

गाजा,(ईएमएस)। इजराइल सेना मध्य गाजा में एक स्कूल पर हवाई हमला किया जिसमें कई बच्चों समेत कम से कम 20 लोग मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी स्थानीय अस्पताल ने दी। मध्य गाजा के नुसरत में रविवार रात हुए इस हमले में दो महिलाओं की मौत हो गईं। गाजा में साल भर से जारी युद्ध के बीच कई लोगों को विभिन्न स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। इस स्कूल में कुछ फलस्तीनी नागरिकों ने शरण ली हुई थी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइल की बमबारी और गाजा पर आक्रमण में अब तक 42 हजार से ज्यादा बेगुनाज फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं।

अगर इजराइल हमला करेगा तो हम आरपार की लड़ाई लडेंगे, नहीं मानेंगे रेड लाइन को

तेहरान,(ईएमएस)। इजराइल की धमकियों के बीच ईरान ने कहा कि अगर उनकी जमीन को निशाना बनाया गया तो वह चुप नहीं बैठेगा हमले का कड़ा जवाब देगा। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा है कि इस बार हम कोई रेड लाइन नहीं मानेंगे और आरपार की लड़ाई लड़ेंगे। इजराइली नेताओं ने हालिया दिनों में कई बार कहा है कि ईरान की ओर से इस महीने की शुरुआत में किए गए मिसाइल अटैक का वह जवाब देंगे। इजराइल की ओर से आ रही इन धमकियों के जवाब में ईरान ने भी इजराइल को धमकाया है।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा था कि खुद का बचाव करने के लिए हमारे पास कोई रेड लाइन नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान आगे की प्रतिक्रिया के बिना इजराइली हमले को नहीं झेलेगा, जैसा कि इस साल की शुरुआत में हुआ था जब इजराइल ने ईरानी मिसाइलों की बौछार के बाद तेहरान पर हमला किया था। ईरान ने उस समय जवाब देने में संयम बर

नर्मदा और ताप्ती प्रदेश के साथ अन्य प्रदेश को भी संचित कर रही : मुख्यमंत्री यादव

सूरत,(ईएमएस)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि देश की प्रमुख नदियों का प्रदेश में मायका है। नर्मदा और ताप्ती अपने मायके अर्थात मध्यप्रदेश को आनंदित और प्रफुल्लित करती ही है, साथ ही वे गुजरात को भी धन-धान्य से परिपूर्ण कर रही है। सोन नदी का उद्गम अमरकंटक से है, जो बिहार में गंगा से मिलती हैं और गंगा की धारा को समृद्ध करती है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली चंबल नदी राजस्थान को जीवन प्रदान करती है यह नदियां मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी हैं।

उन्होंने कहा कि जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रम के मकसद की प्राप्ति के लिए प्रदेश कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पानी के लिए गुजरात में समस्या रहती है और उनकी सहायता करना हम सब का कर्तव्य है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षा जल संचयन को बढ़ाने और दीर्घकालिक जल स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम की पहल की थी। इसी कड़ी में सूरत में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, वरिष्ठ जन-प्रतिनिधि, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय तथा राज्यों के अधिकारी उपस्थित थे। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि महादेव ने गंगा को जटाओं में धारण कर और भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण कर जल संरक्षण के महत्व को दिखाता।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर निरंतर अग्रसर हैं। विश्व में भारत की साख स्थापित हुई है और दुनिया के सभी देश प्रधानमंत्री मोदी से मधुर और जीवंत संपर्क और संबंध बनाने के लिए आतुर रहते हैं। भारतीय सनातन संस्कृति में जल ही जीवन है का विचार सर्वमान्य है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश देश का पहला राज्य बना है, जहां नदी जोड़ो अभियान के तहत दो परियोजनाओं का क्रियान्वयन शुरु हो रहा है। मप्र और यूपी के बीच केन-बेतवा नदी जोड़ो अभियान और मध्यप्रदेश और राजस्थान के मध्य चंबल-पार्वती-काली सिंध लिंक परियोजनाएं शीघ्र ही मूर्त रूप लेंगी। सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश में करीब 3 हजार 500 गांव के 13 हजार से अधिक लोगों ने संकल्प लेकर जल गंगा अभियान के अंतर्गत जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए 10 हजार से अधिक पोखर, तालाब, कुएं, बावड़ी का जीर्णोद्धार किया।

वहीं केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटिल ने नदी जोड़ो अभियान में मध्यप्रदेश द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नदियों के जोड़ने की परियोजना शीघ्र ही आरंभ होगी।

अंकलेश्वर की एक फार्मा कंपनी से 5000 करोड़ की कोकीन बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

भरुच (ईएमएस) गुजरात-दिल्ली पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए दक्षिण गुजरात के भरुच के अंकलेश्वर से 5000 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की कोकीन जब्त की हैं अंकलेश्वर की एक निजी कंपनी से इतनी बड़ी मात्रा में कोकीन बरामद होने की घटना से हड़कंप मच गया हैं गौरतलब है कुछ दिन पहले दिल्ली से 770 किलो ड्रग्स बरामद किया थ इस मामले की पुलिस जांच में गुजरात कनेक्शन का खुलासा हुआ और उसके आधार पर दिल्ली पुलिस ने गुजरात पुलिस के साथ मिलकर दक्षिण गुजरात के भरुच जिले में अंकलेश्वर स्थित आवकार फार्मा कंपनी में रेड कर 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की हैं जिसकी कीमत रु. 5000 करोड़ से अधिक बताई गई हैं इस मामले में अब तक 13 हजार करोड़ रुपए कीमत का 1289 किलोग्राम ड्रग जब्त किया जा चुका हैं आवकार फार्मा कंपनी भरुच जिले के अंकलेश्वर इंडस्ट्रीयल एस्टेट में हैं जहां गुजरात और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की हैं जानकारी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में आवकार कंपनी के 3 डिरेक्टरों को गिरफ्तार कर लिया हैं गिरफ्तार आरोपियों में अश्विन रामाणी, ब्रिजेश कोथिया और विजय भेसाणिया शामिल हैं जांच में पता चला है कि नमकीन पैकेट की आड़ में नशे का काला कारोबार किया जा रहा थ

वडोदरा में छानी नहर के आसपास अवैध रूप से बनाई गई झुग्गियों को निगम ने तोड़ दिया

वडोदरा,14 अक्टूबर

वडोदरा छानी समा नहर के पास विश्वामित्री कंसा के निकट बनी 25 अवैध झोपड़ियों को नगर निगम प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। गौरतलब है कि इन झोपड़ियों को पहले भी तोड़ा गया था. लेकिन मजदूर फिर से इन अवैध झोपड़ियों में रहने लगे हैं.

वडोदरा शहर में लारी गल्ला कच्ची बस्तियों में अवैध ड्रग्स का धंधा जोरों पर है। यदि नगरपालिका प्रणाली की दबाव शाखा उस स्थान से अवैध दबाव को हटा देती है, तो ये दबाव कुछ ही समय में बहाल हो जाते हैं। इसी तरह सामा-छानी नहर रोड पर विश्वामित्री नदी के तट पर पूर्व में बनी लगभग 40 अवैध झोपड़ियों को नगर निगम प्रशासन की दबाव शाखा टीम ने दो-तीन माह पहले तोड़ दिया था. लेकिन अब जब बरसात का मौसम खत्म हो गया है तो मजदूरों ने तमाम दबावों के बीच आज करीब 25 अवैध झोपड़ियां बना ली हैं. इसकी शिकायत नगर निगम तंत्र को मिली थी. परिणामस्वरूप, स्थानीय पुलिस के साथ नगरपालिका प्रणाली की प्रवर्तन शाखा टीम ने इन सभी 25 झोपड़ियों को नष्ट कर दिया। झोपड़ी के प्रेशर को तोड़ने का काम शुरू होने की सूचना मिलने पर आसपास की सोसायटी के निवासी प्रेशर ब्रांच की कार्रवाई देखने के लिए उमड़ पड़े।

ठग ने वडोदरा में एक बुजुर्ग का एटीएम कार्ड बदलकर बार-बार 40 हजार रुपए निकाल लिए

वड़ोदरा,14 अक्टूबर

वडोदरा के अकोटा इलाके का रहने वाला एक बुजुर्ग पैसे निकालने के लिए मुजामहुडा के पास एक एटीएम में गया। लेकिन मदद के बहाने गाठिया ने बुजुर्ग का एटीएम कार्ड बदल लिया और उसका पिन हासिल कर लिया। तभी उसके खाते से 40 हजार रुपये निकाल लिये गये. तो बुजुर्ग ने जेपी रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई है.

चंद्रवदन भोगीलाल दासड़िया (उम्र 75 वर्ष) वडोदरा में अकोटा गार्डन के पास राधाकृष्ण पार्क में सेवानिवृत्त जीवन जीते हैं। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी है कि 13 अक्टूबर को सुबह करीब दस बजे मैं एटीएम लेकर पीएफ ऑफिस रोड स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम पर गया और जब एटीएम से रुपये निकालने का प्रयास किया तो रुपये नहीं निकले. . फिर मैंने रिलायंस मॉल के सामने ऑप.रोड स्थित एटीएम से रुपये निकालने का प्रयास किया तो वहां भी रुपये नहीं निकले। इसलिए मैं लगभग 10:30 बजे मुंजामहुडा सर्कल स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम पर गया। जहां मैंने एटीएम मशीन में चार-पांच बार कार्ड डाला और रुपये निकालने की कोशिश की, लेकिन रुपये नहीं निकले, मेरे बगल में एटीएम मशीन के केबिन में मौजूद आईएसएम ने देखा कि रुपये नहीं निकले. वह मुझसे कहने लगा कि अब एटीएम में इस स्विच को दबाएं, यहां टच करें.. उसने हमें मशीन से रुपये निकालने में मदद करने के बहाने रुपये निकालने के लिए कहा, उस व्यक्ति ने मेरा एटीएम कार्ड अपने हाथ में ले लिया और उसमें डाल दिया एटीएम मशीन से तीन-चार बार प्रोसेस किया और मुझसे कहा कि आपके रुपये नहीं निकल रहे हैं और मेरे हाथ में एक एटीएम कार्ड दे दिया। जिसे लेकर मैं उर्मी सोसायटी गाय सर्किल स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम पर गया और वहां भी रुपये निकालने का प्रयास किया, लेकिन रुपये नहीं निकले तो मैं अपने घर चला गया। तभी मेरे मोबाइल फोन पर मैसेज आया कि मेरे खाते से 10 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं, मैंने कार्ड ब्लॉक करा दिया।

फिर भी हमारे खाते से कुल 40 हजार रुपये का ट्रांजेक्शन होना पाया गया. मैंने अपना एटीएम इस्तेमाल किया. कार्ड की जांच की गई तो उस पर दिलीप कुमार लिखा हुआ था। इस प्रकार गाठिया ने एटीएम कार्ड बदलकर और कार्ड के माध्यम से विभिन्न एटीएम से पैसे निकालकर मेरे साथ धोखाधड़ी की है। जेपी रोड पुलिस मामला दर्ज कर गाठिया की तलाश कर रही है.

वडोदरा के वाघोडिया रोड पर एक वकील के घर लगे सीसीटीवी कैमरे की चोरी

वड़ोदरा,14 अक्टूबर

सीसीटीवी चोरी: वाघोडिया रोड पर एक सोसायटी में रहने वाले एक वकील के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को चोरी करते हुए एक व्यक्ति पकड़ा गया। इसलिए वकील की पत्नी ने कैमरा चोर के खिलाफ बापोड़ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

वाघोडिया रोड पर लकुलेश अमिधारा सोसायटी में रहने वाली जयश्रीबेन चंद्रकांत उपाध्याय ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि मेरे पति चंद्रकांत उपाध्याय बात कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार हमारे घर में आठ सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। जिसमें दो कैमरे मुख्य गेट पर और एक कैमरा साइड में और बाकी पांच कैमरे ऊपर और पीछे लगाए गए थे. 5 सितंबर को रात करीब 9 बजे जब मैं अपने पति चंद्रकांत और बच्चों जामी परवारी के साथ सो रही थी, तभी रात में तस्करों ने उनके घर पर हमला कर दिया और मेन गेट के पास लगे दो सीसीटीवी कैमरे और उस पर लगे कैमरे चुरा ले गए. ओर. बाहर निकला तो पता चला कि तस्करों ने सीसीटीवी कैमरा चोरी कर लिया है. मोबाइल में वीडियो देखते समय मेरे घर के बाहर मेन गेट के पास लगे दो सीसीटीवी कैमरे और साइड में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में सुबह 3.15 बजे हमारे घर के सामने रहने वाला शिवम जतिन कहार कैमरा खींचता और अपने हाथों से तोड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा हमारे घर से और कुछ भी चोरी नहीं हुआ है. पुलिस ने कैमरा चुराने वाले पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिवाली से पहले सूरत पालिका के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों पर बवाल: 20 से ज्यादा हिरासत में

सूरत ,14 अक्टूबर

सूरत नगर निगम के मुख्य कार्यालय में आज चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर हंगामा करते हुए दो दिवसीय भूख हड़ताल की घोषणा की है. कर्मचारियों द्वारा नगर निगम परिसर में आक्रामक विरोध प्रदर्शन करने पर नगर पालिका की सुरक्षा और पुलिस हरकत में आ गयी. कर्मचारी स्वैच्छिक इस्तीफा समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे करीब 20 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया।

सूरत नगर पालिका का एक कर्मचारी संघ पिछले कुछ समय से नगर पालिका में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा है. आज मुगलसराय कार्यालय पर यूनियन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग की है. इसके अलावा स्वैच्छिक इस्तीफे की मांग को लेकर दो दिवसीय भूख हड़ताल की भी घोषणा की गई है. हालांकि कर्मचारी पालिका परिसर में ही बैठ गए तो पालिका का सुरक्षा विभाग और पुलिस हरकत में आ गई।

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को रोकने का प्रयास किया। लेकिन उन्होंने अधिक आक्रामक तरीके से विरोध किया. जिसके बाद नगर पालिका ने पुलिस की मदद ली और पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे 20 से ज्यादा कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया.

गुजरात के हीरा कारोबार में मंदी, पिछले 4 साल में 15 लाख लोग बेरोजगार

- वैश्विक मांग में भारी कमी

सूरत (ईएमएस)। भारत में हीरा कारोबार में 50 साल में पहली बार इतनी बड़ी मंदी देखने को मिल रही है। हीरों की कीमतों में 40ज्ञ तक की गिरावट आई है। जिसके कारण गुजरात और महाराष्ट्र के हीरा कारोबार में लगे लाखों लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। दुनिया भर के देशों में आर्थिक संकट और उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता मैं कमी आने के कारण हीरों की मांग में भारी गिरावट आई है। पिछले कुछ सालों में हीरों की कीमतें स्थिर नहीं हैं। जिसके कारण उपभोक्ताओं में हीरे को निवेश के रूप में सुरक्षित नहीं होने से अनिश्चितता बढ़ गई है। वैश्विक आर्थिक मंदी का सबसे ज्यादा प्रभाव हीरा उद्योग पर देखने को मिल रहा है, जिससे निर्यात और आयात दोनों ही प्रभावित हुए हैं। हीरा कारोबार में मांग की कमी के परिणाम स्वरूप लगभग 15 लाख हीरा श्रमिकों के रोजगार पर संकट के बादल हैं। पिछले चार वर्षों में हीरा व्यापार के आंकड़े लगातार गिरते गए हैं। 2021 में 1.29 लाख करोड़ रुपये के व्यापार की तुलना में वर्ष 2024 तक यह आंकड़ा 0.83 लाख करोड़ रुपये पर सिमट गया है। पिछले वर्षों में हीरा कटिंग पॉलिशिंग का काम नहीं होने के कारण कारोबारियों ने अपने कर्मचारियों को घर बिठा दिया है। जिसके कारण हीरा उद्योग में लगे हुए कर्मचारी बेरोजगार घूम रहे हैं। गुजरात सरकार और केंद्र सरकार ने अभी तक हीरा उद्योग में लगे हुए कर्मचारियों के लिए वैकल्पिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करने की दिशा में कोई पहल नहीं की है। जिसके कारण हीरा उद्योग में लगे कर्मचारियों में भारी रोष देखने को मिल रहा है।

विधवा माँ की जिम्मेदारी लेने के लिए सहमत बेटों के लिए अभयम हेल्पलाइन

वडोदरा,14 अक्टूबर

वडोदरा के मांजलपुर से एक विधवा मां को 181 महिला हेल्पलाइन पर फोन आया कि तीन बेटे होने के बावजूद उनकी देखभाल नहीं की जा रही है. इसलिए सयाजीगंज अभयम टीम ने वहां पहुंचकर बेटों को सामाजिक और कानूनी कर्तव्य के बारे में जागरूक किया और नैतिक कर्तव्य को समझा और माता-पिता के ऋण को चुकाने के लिए प्रभावी परिषद से सहमति व्यक्त की।

विधवा मां ने दर्द से कहा कि उसने कड़ी मेहनत कर अपने तीन बेटों को पढ़ाया, उनकी शादी की और अब वह अपनी बाकी जिंदगी अपने परिवार के साथ शांति से बिताएगी. लेकिन बेटे अलग रहने चले गए. आख़िरकार अकेले रहने की बारी माँ की थी। बेटे प्राइवेट नौकरी करते हैं और अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहते हैं। लेकिन बूढ़ी मां की जिम्मेदारी नहीं लेते. हर बेटा हर महीने मां को 1000 रुपये देता है. घर खर्च और दवा के लिए तीन हजार रुपये कम पड़ रहे थे, मां ने अपने बेटों से बार-बार कहा लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया, विधवा मां ने अभयम को अपनी व्यथा बताई.

अभयम ने प्रभावी परामर्श के माध्यम से बेटे, बहू की जिम्मेदारी और कर्तव्य को समझाया। एक बुजुर्ग मां को आर्थिक सहायता के साथ-साथ परिवार के प्यार और स्नेह की भी जरूरत होती है। ताकि बेटे इस बात के लिए तैयार रहें कि वे अक्सर पिता से मिलने जाएंगे और जरूरत के मुताबिक पैसे भी देंगे। इस प्रकार अभयम ने विधवा मां की देखभाल बेटों द्वारा कराने की कोशिश की।

वडोदरा की एक 4 साल की बच्ची ने 2 मिनट 49 सेकंड में कृष्णाष्टकम के 9 श्लोक सुनाकर इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है।

5 हजार कोकीन केस में गिरफ्तार 5 आरोपियों की 3 दिनी रिमांड मंजूर, दिल्ली ले जाएगी पुलिस

भरुच (ईएमएस) अंकलेश्वर की एक निजी कंपनी में बीती रात 5 हजार करोड़ की कोकीन जब्त की गई थी गुजरात और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही कर नशे का काले कारोबार का पर्दाफाश किया हैं इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया थ आज इन पांचों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया और रिमांड मांगा गया अंकलेश्वर कोर्ट ने आरोपी की तीन दिन की रिमांड मंजूर कर ली हैं दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग आधार पेश कर 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मांगी थी, ताकि मामले की जांच की जा सके और यह जानकारी मिल सके कि आरोपी कितने समय से यह नेटवर्क चला रहे थे साथ ही फार्मास्यूटिकल्स की आड़ में कोकीन की आपूर्ति कहाँ की गई? मामले में और कौन शामिल है? ऐसे अनेक आधार प्रस्तुत किये गये। जिसे ध्यान में रखते हुए अंकलेश्वर कोर्ट ने 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड मंजूर की है। जानकारी के मुताबिक कुछ ही देर में आरोपी को अंकलेश्वर कोर्ट से दिल्ली ले जाया जाएगा

शरदपूनम की रात स्वादयुक्त पौवा की मांग बढ़ जाती है

सूरत,14 अक्टूबर

त्योहार मनाने में सबसे आगे रहने वाले सूरतवासियों ने धूमधाम से दशहरा मनाया और आने वाले दिनों में चांदनी पड़वा और शरद पूर्णिमा मनाने की तैयारी कर रहे हैं। आज के आधुनिक युग में भी शरद पूर्णिमा की रात को चांदनी में पौवा खाने की प्रथा जारी है। हालाँकि, युवाओं को इस अभ्यास से जोड़े रखने के लिए पिछले कुछ वर्षों से सूरत में फ्लेवर्ड पोवा का चलन रहा है। उपभोक्ता मांग के साथ, विपणक उन स्वादों को छोड़ रहे हैं जो काम नहीं करते हैं। नए परीक्षण विकसित करते हुए और मांग के अनुसार नए स्वाद जोड़ते हुए।

सूरत में पिछले कुछ वर्षों से शरद पूर्णिमा के दिन सादे दूध पौवा की जगह फ्लेवर्ड पौवा का चलन रहा है। लेकिन सदियों पुरानी परंपरा के चलते युवा सादे दूध के पौवे से दूर होते जा रहे हैं। लेकिन बाजार में एक दर्जन से ज्यादा फ्लेवर वाले पौवे उपलब्ध हैं. जिसके चलते सूरत के लोग फ्लेवर्ड मिल्क पौवा खा रहे हैं. ग्राहकों की मांग के कारण डिपार्टमेंटल स्टोर और मॉल के साथ शहर की कई दुकानें अब स्वादयुक्त पौआ बेच रही हैं।

शहर के अडाजण इलाके में फ्लेवर्ड पौवा बेचने वाले भरत दोराबदारुवाला कहते हैं, 'पिछले साल हमने लीची को फ्लेवर वाला बनाया था लेकिन ग्राहकों को यह पसंद नहीं आया और बिक्री कम हो गई। तो इस साल लीची फ्लेवर वाली नहीं, बल्कि इस साल आइसक्रीम का जो चलन है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए रस मलाई और मावा मलाई फ्लेवर वाले पौवे बनाए गए हैं. इसके अलावा हम पहले से ही एक दर्जन से ज्यादा फ्लेवर बनाते हैं जो बिक भी रहे हैं.स्वादयुक्त पौव्वा खरीदने आईं श्वेता भट्ट कहती हैं, वर्षों पहले शरद पूर्णिमा के दौरान सादा पौव्वा खाया जाता था, लेकिन अब बच्चे सादा पौव्वा खाने से कतराते हैं। इसलिए आइसक्रीम के स्वाद वाले पौवे बिक रहे हैं और इन पौवों को बच्चे चट कर रहे हैं। इसलिए हम भवती के स्वाद वाले पौवा से भी बच्चों का इलाज कर रहे हैं।

इस वर्ष हम यह स्वादयुक्त पौवा लेकर शरदपूनम की रात चंदा मामा को पकड़ेंगे और फिर परिवार के साथ उनका आदर-सत्कार करेंगे। पौवा खरीदने आई एक अन्य महिला निमाबेन कहती हैं, हमारे घर में पहले से ही शरद पूर्णिमा में दूध का पौवा खाने की परंपरा है। हालाँकि, बाज़ार में अलग-अलग स्वाद वाले पौवे बिकते हैं इसलिए टेस्ट के लिए हम अब स्वाद वाले पौवे भी लेते हैं और उन्हें पकाते हैं।

शरद पूर्णिमा पर स्वादिष्ट पौवे खाने का चलन पिछले कुछ वर्षों में सूरत में शुरू हुआ है, लेकिन आज भी कई देशी सूरतियों के घरों में सादे दूध के पौवे खाने पर जोर दिया जाता है। आज भी, कुछ घरों में जहां मुल सुरती हैं, भले ही बच्चे स्वादयुक्त पौवा खाते हैं, बुजुर्ग अभी भी सादे दूध के पौवा खाकर शरद पूनम मनाते हैं। इस वजह से, भले ही एक दर्जन से अधिक स्वाद वाले पौवे बेचे जाते हैं, फिर भी कुछ लोग सादे पौवे खाते हैं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

मुंबई, अक्टूबर, 2024:बड़ेवैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक ऑफ़ बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान ''प्ले द मास्टरस्ट्रोक'' की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत और करोड़ों लोगों के भरोसे परखरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं। इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा, भारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैशविक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए बहुत गौरव का क्षण है। सचिन एक वैश्विक आइकन हैं जिन्होंने हमेशा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया है औरअपने खेल से हमें प्रेरित किया है। जिस तरह उन्होंने अपने बेहतरीन कॅरियर के माध्यम से एक समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है, उसी तरह बैंक ऑफ़ बड़ौदा देश भर में करोड़ों लोगों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहा हैऔरउनके वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बन रहा है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुएश्री सचिन तेंदुलकर ने कहा, मुझे ''बैंक ऑफ़ बड़ौदा, के साथ जुड़ते हुए खुशी है, और यह एकऐसी संस्था हैजो निरन्तर समय के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर है और आज के समय मे अपना स्थान कायम किए हुए है. एक सदी पहले एक छोटी सी शुरुआत से आगे बढ़ते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा आज उत्वृष्टता, सत्यनिष्ठा, नवोन्मेषिता के सिद्धांतों पर चलते हुए एक अग्रणी बैंकिंग संस्थान बन गया है।

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है, जीपीएससी ने भर्ती की घोषणा कर दी है

सूरत14 अक्टूबर,

गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) ने कई पदों पर भर्तियां जारी की हैं। जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया कल 15 सितंबर से शुरू हो जाएगी। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 30 अक्टूबर तक **OJAS GPSC** वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जीपीएससी विज्ञापन संख्या 47/2024-25 से 67/2024-2025 के माध्यम से विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। जिसमें असिस्टेंट मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर क्लास-छ्छ के 153 पदों पर भर्ती निकाली गई है। इसके अलावा डिप्टी सेक्शन ऑफिसर (लॉ) के लिए 40 पदों और गांधीनगर नगर पालिका के लिए 45 पदों पर भर्ती की घोषणा की गई है।

एक्शन मोड में सूरत नगर पालिका का खाद्य विभाग: घारी बनाने में उपयोगी दूध दही के सैंपल लिए गए

सूरत,14 अक्टूबर

आने वाले दिनों में सूरत में चांदनी पाड़ा उत्सव के दौरान बड़ी मात्रा में धारी होगी, इसलिए नगर पालिका के खाद्य विभाग ने घारी बनाने में इस्तेमाल होने वाले मावा के नमूने ले लिए हैं और उन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेज दिया है. इससे पहले, खाद्य विभाग ने सूरत शहर में दशहरे के दौरान बेचे गए फाफड़ा और जलेबी के नमूने लिए थे और उन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजा था, लेकिन रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है।

चाँदनी पड़वा का त्यौहार सूरत शहर में बहुत महत्व रखता है। सुरती इस दिन हजारों किलो घारी और भुसू खाते हैं। और इसी के चलते सूरत में बड़ी संख्या में व्यापारी बड़ी मात्रा में धारी बनाने में लगे हुए हैं. इस घारी में मुख्य सामग्री के रूप में मावा का उपयोग किया जाता है इसलिए इन दिनों घारी बनाने के लिए मावा सूरत में खूब बिकता है। इस घारी के फल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नगर पालिका के खाद्य विभाग ने आज फल की सैंपलिंग की है. स्वास्थ्य विभाग की सात टीमों ने मावा विक्रेताओं से नमूने लेकर रिपोर्ट के लिए प्रयोगशाला भेज दिए। खाद्य विभाग ने बताया कि यह कार्रवाई आने वाले दिनों में भी की जाएगी.

आज सुबह से ही स्वास्थ्य विभाग की अलग-अलग टीमों द्वारा वहां माता विक्रेताओं पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई है।

पड़ौसी ने चार बच्चियों के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी को गिरफ्तार कर जांच में जुटी पुलिस

खेडा (ईएमएस) दुष्कर्म खासकर बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपियो के खिलाफ कानून सख्त से सख्त कार्यवाही कर रहा है, इसके बावजूद ऐसी घटनाएं थम नहीं रहीं सूरत और वडोदरा में नाबालिग लड़की के साथ गैंग रेप की घटनाओं को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश हैं ऐसे में दुष्कर्म की और घटना सामने आई हैं जिसमें आरोपी ने एक नहीं बल्कि चार-चार नाबालिग लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया हैं इतना ही आरोपी ने घटना का वीडियो भी बनाया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक खेडा जिले के वसो पुलिस थानान्तर्गत रहनेवाले चंद्रकांत पटेल नामक शख्स ने आसपास रहनेवाली चार बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया इन बच्चियों की उम्र 8 से 11 साल के बीच बताई जा रही हैं आरोपी ने बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो भी बना लिया थ मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस हरकत में आ गई और आरोपी चंद्रकांत पटेल को गिरफ्तार कर लिया साथ ही पुलिस ने आरोपी चंद्रकांत पटेल का मोबाइल भी जब्त कर लिया हैं पुलिस को उम्मीद है मोबाइल की जांच में कई नए खुलासे हो सकते हैं

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना संख्या एस/57/2024 दिनांक 11.10.2024

क्र.सं.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
679	न्यूरोसर्जरी के लिए ब्रेन एंडोस्कोपी प्रणाली	2 नग	04-नवंबर-24
680	उच्च स्तरीय अल्ट्रासोनोग्राफी इकाई	2 नग	04-नवंबर-24
681	टीआर/मोटर एयर फिल्टर	7205 नग	12-नवंबर-24
682	16 टर्नआउट में से 1 के लिए 11200 मिमी ओवर राइडिंग कव्र्ड स्विच	30सेट	12-नवंबर-24
	रिवर्स नीलामी		
55	संपर्क तार 107 वर्ग मिमी	97060 मीटर	07-नवंबर-24
56	कॉपर कैटेनरी तार 65 वर्ग मिमी	162500 मीटर	11-नवंबर-24

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और www.wr.indianrailways.gov.in देखें। 0629

हमें यहां लाइक करें facebook.com/WesternRly हमें यहां फ़ॉलो करें twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09069	उधना - कानपुर सेंट्रल	21.10.2024 से 11.11.2024 तक	05:30 बजे (सोमवार)	06:30 बजे (अगले दिन)
09070	कानपुर सेंट्रल - उधना	22.10.2024 से 12.11.2024 तक	09:30 बजे (मंगलवार)	10:00 बजे (अगले दिन)
	हाल्ट: सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, बियावना राजगढ़, रुथियाल, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, सोनी, भीआ, इटावा स्टेशन दोनों दिशाओं में।			
09411	अहमदाबाद - ग्वालियर (सुपरफास्ट)	19.10.2024 से 02.11.2024 तक	20:25 बजे (शनिवार)	13:00 बजे (अगले दिन)
09412	ग्वालियर - अहमदाबाद (सुपरफास्ट)	20.10.2024 से 03.11.2024 तक	16:30 बजे (रविवार)	09:05 बजे (अगले दिन)
	हाल्ट: आनंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, गुना और शिवपुरी स्टेशन दोनों दिशाओं में.			
	उपरोक्त ट्रेनों की संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी क्लास कोच.			

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09069 और 09411 की बुकिंग 16.10.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें यहां लाइक करें facebook.com/WesternRly
हमें यहां फ़ॉलो करें X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

ओएचई में परिवर्धन और परिवर्तन

**निविदा सूचना सं : EL/TRD/Tender